युगानुकूल

मार्च 2025 मूल्य 25 रुपये

नवरचना

विकास के अनुकरणीय मॉडल आपके द्वार

स्वावलम्बन के पथ को आलोकित करता

दीनदयाल शोध संस्थान

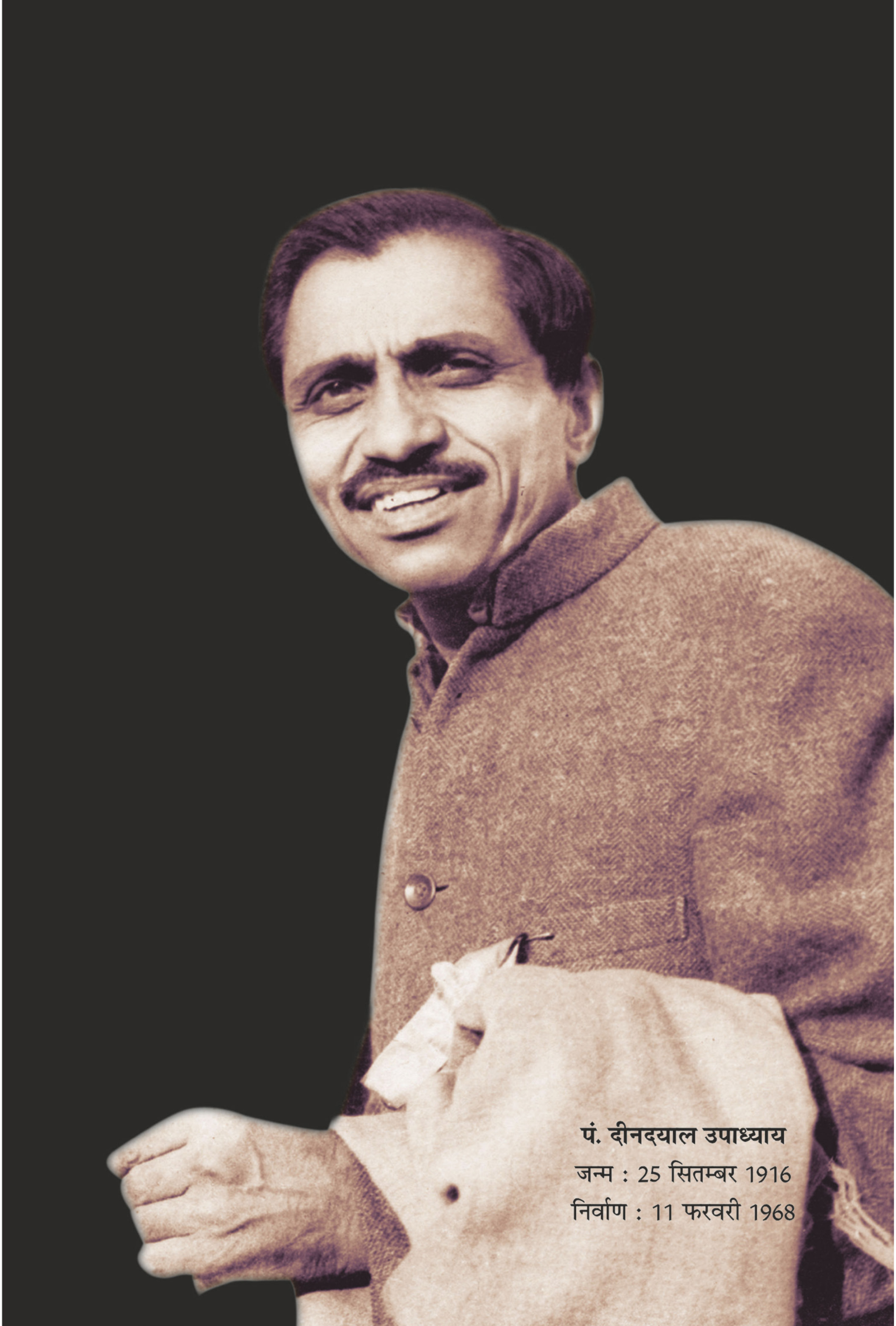

पं. दीनदयाल उपाध्याय

जन्म : 25 सितम्बर 1916

निर्वाण : 11 फरवरी 1968

दीनदयाल शोध संस्थान

संस्थापक
नानाजी देशमुख

प्रबन्ध सम्पादक
अमिताभ वशिष्ठ

सम्पादक
राजेश दुबे

आवरण सज्जा एवं लेआउट
लक्ष्मी नारायण शुक्ला
अंशुमान सिंह
सतीश मालवीय

विशेष सहयोग
आशीष सक्सेना

प्रकाशक
अभय महाजन
दीनदयाल शोध संस्थान के लिये
7-ई, स्वामी रामतीर्थ नगर, रानी झांसी मार्ग, झण्डेवाला एक्स., नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित
दूरभाष : 23526735
ईमेल : dridelhi@dri.org.in
info@dri.org.in

मुद्रक :
प्रितिका प्रिंटर्स
ए-21/27, नारायण इण्ड. एरिया
दिल्ली-110028

पृष्ठ सं. 5 :
बाल मेला में विज्ञान के अनेक मॉडल व प्रयोग प्रदर्शन रहे विशेष आकर्षण के केन्द्र

पृ.सं. 12 संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को पाने के लिए चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

पृ.सं. 61
नानाजी की पुण्यतिथि पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

दीनदयाल शोध संस्थान ने 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई भगवान बिरसा मुंडा जयंती 7
उद्यमिता विद्यापीठ में महिला उद्यमी दिवस पर हुआ जागरुकता कार्यक्रम, उद्यमियों ने बांटें अपने अनुभव 8
बच्चों में संस्कार क्षम गतिविधियों के माध्यम से संकुल स्तर पर आयोजित हुए शिविर 10
गुरुकुल संकुल में अभिभावक सम्मेलन, 185 अभिभावकों की रही भागीदारी 20
विविध कलाओं के प्रदर्शन के साथ तुलसी संकुल के चोरहा-पैकौरा में हुआ बाल शिविर 22
बच्चों के अन्दर छिपी प्रतिभा का समुचित विकास करना ही शिविर का उद्देश्य - अभय महाजन 23
कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में बरिहा कुम्हड़ा से पेठा बनाने का महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण 25
कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दलहन एवं तिलहन का अच्छे उत्पादन के लिए कृषकों को दिया.... 26
किशोरी स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर में 315 बालिकाओं का किया स्वास्थ्य परीक्षण.... 27
आरोग्यधाम द्वारा दो दिवसीय परम्परागत वैद्य सम्मेलन का आयुष मंत्री इंदर सिंह ने किया शुभारंभ 31
कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक 37
उद्यमिता विद्यापीठ में केव्हीआईसी के प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम.... 39
कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक 41
मध्य प्रदेश में सतत विकास के लक्ष्य केंद्रित स्वावलंबी और आत्मनिर्भर ग्राम की अवधारणा 44
खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा पुणे में आयोजित ऑल इंडिया प्रिंसिपल कॉन्फ्रेंस 46
प्रिज्म जॉनसन कंपनी रीवा में दीनदयाल आईटीआई के छात्रों का हुआ शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण 47
दीनदयाल शोध संस्थान में मनाई गई पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 57वीं पुण्यतिथि 48
भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर तीन दिवसीय समारोह 49

एकात्म मानवदर्शन के शाश्वत सिद्धांत को व्यवहार रूप में गढ़ने का काम कर रहा दीनदयाल शोध संस्थान

स्वतंत्रता के पश्चात भारत जब विदेशी संस्कृति के प्रभाव और उसके दुष्परिणामों से जूझ रहा था, उसके तत्कालीन नेतृत्व के सामने यक्ष प्रश्न खड़ा था कि उसके विकास की दिशा क्या हो? विदेशी संस्कारों में पला–बड़ा वह नेतृत्व उलझन में था। यह सब उसकी समझ से परे था। वह भटक रहा था। ऐसे में देश को एक ऐसा राजनीतिक दार्शनिक मिला जिसने भारत को उसकी शाश्वत व गौरवशाली संस्कृति को समकालीन सूत्र में पिरोने का बीड़ा उठाया।

वे थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। जिन्होंने एकात्म मानवदर्शन के माध्यम से देश को उसकी अपनी वैभवशाली संस्कृति का भान कराया। और उसे राजनीति की मुख्यधारा का हिस्सा बनाया। आज हम उन्हीं के दर्शन से प्रेरित शासन व्यवस्था का अनुभव कर रहे हैं। उनकी सादगी, सरलता, दृढ़ता, कर्तव्य एवं विचार देश को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे, और परमवैभव के मार्ग पर हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे, ऐसा हमें विश्वास है।

एकात्म मानवदर्शन के शाश्वत सिद्धांत को व्यवहार रूप में गढ़ने का बीड़ा उठाया। ये महान शिल्पी थे पंडित जी के सखा व अनन्य सहयोगी नानाजी देशमुख बेजोड़ राजनीतिज्ञ, अद्वितीय समाजसेवी, अनन्य शिक्षाविद् और जमीनी अर्थशास्त्री नानाजी देशमुख को देश ने उनकी मृत्यु के पश्चात राष्ट्रऋषि के रूप में याद किया। देश एवं समाज के प्रति उनके योगदान हेतु 25 जनवरी 2019 को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से उन्हें अलंकृत किया गया।

दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से नानाजी ने देश को एकात्म मानवदर्शन पर आधारित समग्र विकास का एक ऐसा अनोखा मॉडल दिया जो आज देश–दुनिया में ग्राम विकास के क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है। समाज के स्वावलंबन और उसकी पहल व भागीदारी पर आधारित यह मॉडल चित्रकूट, गोंडा व बीड़ में देशानुकूल विकास को युगानुकूल गतिशीलता देने का जीता जागता उदाहरण है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' के दर्शन को व्यवहारिक धरातल पर उतारने के लिए माननीय नानाजी देशमुख ने सामाजिक–आर्थिक पुनर्रचना की प्रयोगशाला के तौर पर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना की। परमपूजनीय श्री गुरुजी द्वारा 20 अगस्त, 1972 को दिल्ली में संस्थान का उद्घाटन हुआ। दीनदयाल शोध संस्थान ने ग्रामीण विकास के कई अनुकरणीय नमूने विकसित किये हैं और सफलतापूर्वक चलाए हैं। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, गोवंश संवर्धन और कृषि विकास के प्रकल्प शामिल हैं।

– अमिताभ वशिष्ठ

बाल मेला में विज्ञान के अनेक मॉडल व प्रयोग प्रदर्शन रहे विशेष आकर्षण के केन्द्र

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला एवं चित्रकूट मंडल के कमिश्नर बालकृष्ण तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया बाल मेले का उद्घाटन

चित्रकूट/ बालक-बालिकाओं की अन्तर्निहित शक्तियों के समुचित विकास की दृष्टि से दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय में बाल मेला का आयोजन हुआ, जिसमें प्रेरक व आकर्षक झाँकियाँ, विज्ञान प्रयोग व मॉडल, बौद्धिक गेम शो, रुचिकर खाद्य स्टालों सहित अनेक मनोरंजक, ज्ञानवर्धक व शैक्षिक कार्यक्रमों का समावेश छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया।

बाल मेले का शुभारम्भ पंडित नेहरू एवं राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख व पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही बाल मेले का विधिवत उद्घाटन हुआ, जिसमें मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला, चित्रकूट मंडल के कमिश्नर श्री बालकृष्ण तिवारी, गायत्री शक्तिपीठ के प्रबंधक डॉ रामनारायण त्रिपाठी, महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलगुरु प्रोफेसर भरत मिश्रा, चित्रकूट जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अशोक जाटव, बांदा कोआपरेटिव बैंक के चेयरमैन श्री पंकज अग्रवाल की उपस्थिति बेहद गरिमापूर्ण रही।

सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय नौनिहालों के सर्वांगीण विकास का दायित्व लेते हुए विगत 25 वर्षों से अधिक समय से चित्रकूट में अपनी सेवाएं दे रहा है। बाल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में बाल विज्ञान मेला आयोजित किया गया जिसमें विज्ञान के अनेकानेक प्रयोग, मॉडल,

प्रोजेक्ट, झांकियां, ज्ञानवर्धक गेम शो, मनोरंजक मैजिक शो का भव्य प्रदर्शन किया गया। मेले का सर्वाधिक आकर्षण वहां पर लगाए गए विज्ञान के अभिनव मॉडल और प्रोजेक्ट रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान के अन्य प्रकल्प रामनाथ आश्रमशाला तथा कृष्णादेवी वनवासी बालिका विद्यालय मझगवां के छात्रों को भी प्रयोग और मॉडल प्रदर्शित किये। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा सुसज्जित रुचिकर खाद्य स्टॉल भी मेले का आकर्षण रहे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शुक्ल ने श्रद्धेय नाना जी को याद करते हुए कहा उनके द्वारा रोपित यह विद्यालय रूपी बीज आज विशालकाय वट वृक्ष बनकर अपनी छाया प्रदान कर रहा है। दीनदयाल शोध संस्थान का यह प्रकल्प शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव प्रयोग है। आगंतुक अतिथियों ने मेले की भूरि भूरि प्रशंसा की। मेले में बालक बालिकाओं

दीनदयाल शोध संस्थान का यह प्रकल्प शिक्षा के क्षेत्र में एक अभिनव प्रयोग है। आगंतुक अतिथियों ने मेले की भूरि भूरि प्रशंसा की। मेले में बालक बालिकाओं के अभिभावक, माताएं तथा साथ-साथ पुरातन छात्र भी सहभागिता करते हुए नजर आए।

के अभिभावक, माताएं तथा साथ-साथ पुरातन छात्र भी सहभागिता करते हुए नजर आए। सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में आयोजित बाल मेले के अवलोकन के लिए चित्रकूट के चतुर्दिक अनेक विद्यालयों के बालक बालिका भी मेला देखने तथा विज्ञान के प्रयोग और मॉडल को समझने की दृष्टि से विद्यालय में उपस्थित हुए।

विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी ने बताया बाल विज्ञान मेला बालक बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे कार्यक्रम विद्यालय द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाते रहते हैं।

दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित बहुत ही तन्मयता के साथ पूरे विद्यालय प्रांगण में आयोजित बाल मेला का अवलोकन करते हुए देखे गए। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, विद्यालय सचिव डॉ. अशोक पांडे के साथ-साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अंशुमान पाठक तथा वरिष्ठ शिक्षक सर्वश्री अशोक दीक्षित, शिव शंकर पांडेय, भुवनेश मिश्र, सत्यनारायण शुक्ला, राम कुमार कुशवाहा, रीना मालवीय, विवेक गुप्ता, अश्वनी पांडेय, रामवीर सक्सेना, जितेंद्र श्रीवास्तव, जितेंद्र मिश्रा इत्यादि सभी शिक्षकों की सक्रियता उल्लेखनीय रही।

दीनदयाल शोध संस्थान ने 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई भगवान बिरसा मुंडा जयंती

रामनाथ आश्रमशाला में जनजातीय गौरव दिवस पर हुआ पुरातन छात्र सम्मेलन

विद्यालय की छात्रा प्रेमकली के आकस्मिक निधन पर विद्यालय परिवार ने शोक व्यक्त करते हुए छात्रा के पिता को सौंपी सहयोग राशि

चित्रकूट-मझगवां/भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर दीनदयाल शोध संस्थान के शैक्षणिक प्रकल्प रामनाथ आश्रमशाला पीली कोठी, परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां, कृष्णादेवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां, गुरुकुल संकुल और कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां, कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां, आरोग्यधाम सहित सभी स्वावलंबन केन्द्रों पर बड़े हर्षोल्लास से 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं सभी के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ।

रामनाथ आश्रमशाला चित्रकूट में भगवान् बिरसा मुंडा जयंती पर पुरातन छात्र सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसमें 82 पुरातन छात्र एवं विद्यालय के 288 छात्रों के बीच कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भरत मंदिर चित्रकूट के महन्त श्री दिव्य जीवन दास जी महाराज, एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक दुबे, विद्यालय के सचिव डॉ. अमरजीत सिंह, डीआरआई शैक्षणिक प्रकल्प के प्रभारी श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, ग्राम खुटहा के अभिभावक श्री रज्जू प्रसाद एवं अनुसूचित जन जाति के जिला अध्यक्ष श्री हरी सिंह की उपस्थिति सराहनीय रही।

इस अवसर पर पुरातन छात्रों ने विद्यालय के अनुभवों को साझा करते हुए शिक्षा एवं अनुशासन को महत्व देते हुए बताया कि हमें इस विद्यालय से अनुशासन सीखना चाहिए। एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक दुबे ने कहा कि यदि मन में ललक हो तो व्यक्ति जीवन में क्या नहीं कर सकता, पढ़ोगे तो डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक कुछ भी बन सकते हो। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अमरजीत सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें भगवान बिरसा मुंडा की तरह मजबूती से अपनी संस्कृति की रक्षा करनी होगी। उन्होंने अपने क्रांतिकारी चिंतन से आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य दिव्य जीवन दास जी महाराज ने उद्बोधन देते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन एवं शिक्षा को महत्व दे एवं राष्ट्र ऋषि नाना जी देशमुख के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज हित के कार्य करना ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

इस दौरान विद्यालय की छात्रा कु. प्रेमकली के आकस्मिक निधन पर विद्यालय परिवार द्वारा शोक व्यक्त करते हुए छात्रा के पिता को विद्यालय परिवार ने डा. अमरजीत सिंह के हाथों सहयोग राशि भी प्रदान की गयी। विद्यालय के प्राचार्य श्री सत्यराम यादव द्वारा आभार प्रदर्शन करने के उपरान्त कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

> रामनाथ आश्रमशाला चित्रकूट में भगवान् बिरसा मुंडा जयंती पर पुरातन छात्र सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसमें 82 पुरातन छात्र एवं विद्यालय के 288 छात्रों के बीच कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

उद्यमिता विद्यापीठ में महिला उद्यमी दिवस पर हुआ जागरुकता कार्यक्रम, उद्यमियों ने बाटें अपने अनुभव

महिलाओं के व्यावसायिक कौशल को निखारने और उन्हें अपने बाजार तक पहुंच बनाने के लिए किया गया प्रेरित

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा समाज में उद्यमी भावना के साथ-साथ विभिन्न तरह के हुनर व कौशल के विकास के लिये वर्ष भर निरंतर गतिविधियों सहित गाँव गाँव में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उसी क्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के तत्वावधान में उद्यमिता विद्यापीठ में महिला उद्यमी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में श्रीमती मनीषा माथनकर, जो उद्यमिता विद्यापीठ में स्थापना काल से कार्यरत रहीं ने उद्यमिता के मूल उद्देश्यों व दीनदयाल शोध संस्थान से जुड़े पूर्णकालिक उद्यमियों व समाज शिल्पियों के कार्य पर प्रकाश डाला। समाज में स्वावलंबन व स्वाभिमान जगाने की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताते हुए श्रीमती मनीषा

माथनकर ने बताया कि उद्यमी होना केवल आर्थिक जरुरत के लिए नहीं बल्कि संतुलित व्यक्तित्व के लिये भी आवश्यक है। हर व्यक्ति को किसी न किसी हुनर व कला से जुड़कर समाज में रचनात्मक भावना विकसित करना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं महिला उद्यमी श्रीमती रुपा अग्रवाल कर्वी तथा श्रीमती संगीता जैन चित्रकूट द्वारा विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा तैयार उत्पादों को काफी सराहा गया। संस्थान की ओर से वक्ता के रुप में समाज शिल्पी दंपत्ति प्रभारी श्रीमती सीमा पांडे ने अपने समाज शिल्पी दंपत्ति के रुप में गाँव गाँव में किये गये प्रयासों के अनेक उदाहरण विस्तारपूर्वक बताये, जो उपस्थित महिला उद्यमियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित ने उपस्थित सभी महिला उद्यमियों को वैश्विक लक्ष्य के अनुसार संस्थान द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और कहा कि महिला उद्यमिता दिवस के माध्यम से महिलाओं को व्यवसाय में सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की ओर प्रेरित करना है। पिछले एक दशक में महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों का वैश्विक स्तर पर विस्तार देखा गया है, हालांकि, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार भारत में सभी उद्यमों में महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी केवल 14% है। इसलिए महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कार्यस्थलों पर लैंगिक विविधता और समावेशिता को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि महिलाओं के उद्यमशीलता प्रयासों को सही समर्थन मिल सके।

कार्यक्रम के दौरान सुश्रीनेहा सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद शुरु किये गये व्यवसाय के संबंध में अपने अनुभव सुनाये। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा चलाए गए कटिंग एंड टेलरिंग, वाशिंग पाउडर निर्माण, मेहंदी, ब्यूटीशियन, अगरबत्ती मेकिंग प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग आयोग प्रशिक्षण केन्द्र उद्यमिता विद्यापीठ के प्राचार्य श्री मनोज सैनी, प्रशिक्षक श्री रमाशंकर शुक्ल, श्री रामदत्त पांडे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बच्चों में संस्कार क्षम गतिविधियों के माध्यम से संकुल स्तर पर आयोजित हुए शिविर

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा गाँव-गाँव लगाए जा रहे बाल शिविर के अन्तर्गत पालेश्वरनाथ संकुल का तीन दिवसीय बाल शिविर का समापन समारोह चकजाफर में संपन्न हुआ। जिसमें 36 बालिकाएं, 56 बालक शिविरार्थी के रूप में सम्मिलित हुए। इस प्रकार कुल 92 शिविरार्थी 10 स्वावलंबन केन्द्रों व 4 सम्पर्कित केंद्रों से उपस्थित रहे।

इस शिविर के समापन समारोह में माननीय श्री अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, डॉ. रामनारायण त्रिपाठी प्रमुख गायत्री शक्ति पीठ, श्री पंकज मिश्रा किशोर बाल विकास अधिकारी समाज कल्याण विभाग, श्री राजेश कुमार खण्ड शिक्षाधिकारी पहाड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री शानू गुप्ता, श्री राजा सरावगी, प्रेमशंकर जी, शिविर के शिविराधिकारी श्री करुणाशंकर द्विवेदी, श्रीमती शिल्पा चौहान प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय, दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. अशोक पांडे, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान ने पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

> व्यक्ति जब तक स्वावलंबी नहीं होगा तब तक वह स्वाभिमानी नहीं बन सकता है और प्रत्येक कार्य आप सभी की सहभागिता, आपकी पहल एवं पुरुषार्थ से पूर्ण किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अपने उद्बोधन में डीआरआई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि भारत की आत्मा गाँव में बसती है प्रत्येक विद्यार्थी के

अन्दर व्यक्तित्व विकास के साथ समाज मूलक बातों की जागरूकता हेतु समाज शिल्पी दम्पति व सहयोगी कार्यकर्ताओं के माध्यम से संकुल केन्द्रों पर बाल शिविरों के आयोजन किये जा रहे है। व्यक्ति जब तक स्वावलंबी नहीं होगा तब तक वह स्वाभिमानी नहीं बन सकता है और प्रत्येक कार्य आप सभी की सहभागिता, आपकी पहल एवं पुरुषार्थ से पूर्ण किया जा सकता है। हम अधिकारों के पहले अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करें।

इस अवसर पर डॉ. रामनारायण त्रिपाठी ने अपने उदबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन का ध्येय सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ नैतिकता, चारित्रिक चेतना का संचार करना है। इस प्रकार के छोटे-छोटे प्रयासों से ही बच्चों में व्यक्तित्व का निर्माण होता है। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा नई पीढ़ी के विकास में किए जाने वाले कार्य सराहनीय एवं अनुकरणीय हैं। श्री राजेश कुमार, खण्ड शिक्षाधिकारी ने कहा कि यह बच्चे ग्राम को स्वावलंबी बनाने की प्रथम सीढ़ी है। इन बच्चों के द्वारा ही ग्राम एवं देश स्वावलंबी होगा आप सभी मन लगाकर शिक्षा प्राप्त करें और अनुशासित जीवन पद्धति का अनुकरण करें। शिविर की आख्या एवं विस्तृत जानकारी शिविराधिकारी करुणाशंकर द्विवेदी द्वारा देते हुए बताया गया कि गांव-गांव में संस्कार क्षम गतिविधियां सामूहिक प्रयासों से बाल शिविर संपन्न हो रहे हैं। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 10 से 14 वर्ष के बालक बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समारोह कार्यक्रम में गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे। शिविर का सफल संचालन समाज शिल्पी दंपति जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। शिविर में समाज शिल्पी दंपति श्रीमती बबिता सिंह, श्री अनुज सिन्हा, श्रीमती पूनम सिन्हा, श्री राकेश यादव, श्री देवेंद्र पयासी के साथ-साथ संकुल प्रभारी श्री मनोज पद्म त्रिपाठी ने अपना अमूल्य योगदान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री योगेंद्र पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन में सभी बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इसके अलावा जन शिक्षण संस्थान के पूर्व में प्रशिक्षण ले चुके प्रशिक्षणार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को पाने के लिए चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

एसडीजी 5 और 7 तथा ग्रामोदय से सर्वोदय के लक्ष्य प्राप्ति में परिवार एक महत्वपूर्ण आधार है पर हुआ विमर्श, देश भर से 14 प्रमुख संस्थानों की रही सहभागिता

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने किया शुभारम्भ

चित्रकूट/ संयुक्त राष्ट्र के धारणीय विकास के लक्ष्यों को पाने के लिए चित्रकूट में दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा 22 से 24 नवंबर 2024 तक चौथे अंतर्राष्ट्रीय सतत् विकास के लक्ष्य (एसडीजी) सेमिनार का आयोजन किया गया। चतुर्थ त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ 22 नवम्बर को दीनदयाल परिसर के विवेकानंद सभागार में मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री (केबिनेट) सुश्री निर्मला भूरिया, तेलंगाना राज्य के विशेष मुख्य सचिव श्री अरविंद कुमार, सांसद सतना श्री गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार, डॉ. लोकेश शर्मा ओ एस डी मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अटल विहारी बाजपेई सुशासन नीति विश्लेषण, प्रो. भरत मिश्रा कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, डॉ. वी के जैन ट्रस्टी

एवं निदेशक सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, श्री अशोक जाटव जिला पंचायत अध्यक्ष चित्रकूट, श्री पंकज अग्रवाल अध्यक्ष, कोऑपरेटिव बैंक बाँदा-चित्रकूट, श्रीमती अनुजा ताई परचुरे प्रबन्ध समिति सदस्य डीआरआई, श्री अभय महाजन, संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, श्री वसंत पण्डित कोषाध्यक्ष द्वारा भारतरत्न नाना जी देशमुख के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।

इस सेमिनार में एसडीजी 5 - लैंगिक समानता और एसडीजी 7 - नवकरणीय ऊर्जा तथा ग्रामोदय से सर्वोदय के लक्ष्य की प्राप्ति में परिवार एक महत्वपूर्ण आधार है पर विमर्श किया जाएगा। एसडीजी-5 के अन्तर्गत महिला समानता प्राप्त करना तथा सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना तथा एसडीजी -7 के अन्तर्गत स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित करना है। सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष एवं सेमिनार के संयोजक श्री वसन्त पंडित ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार वैश्विक संपर्क बनाने और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को गति देने के प्रयास को जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देश भर से 14 प्रमुख संस्थान सहभागी बने हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए। श्री अभिताभ वशिष्ठ, महाप्रबंधक दीनदयाल शोध संस्थान ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र के सतत् विकास लक्ष्यों को कवर करने के लिए सम्मेलन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, इसके तकनीकी सत्रों में सतत् विकास लक्ष्यों SDG-5 (लैंगिक समानता) और SDG-7 (सतत ऊर्जा) के संबंध में प्रगति में तेजी लाने के लिए अनिवार्यताओं पर चर्चा की जाएगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा वीडियो संदेश के माध्यम से कार्यक्रम में पधारे देश विदेश के सभी विद्वत जनों का अभिनन्दन करते हुए सेमिनार की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की।

उद्घाटन सत्र में सतना सांसद गणेश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि

राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के आधार पर ग्रामीण विकास का जो मॉडल प्रस्तुत किया वह आज अनुकरणीय है जो ग्रामीणजनों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बना रहा है।

डॉ. लोकेश शर्मा ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से एसडीजी 5 के अंतर्गत मध्य प्रदेश शासन द्वारा लैंगिक समानता एवं एसडीजी -7 स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा तक सभी की पहुँच सुनिश्चित करने हेतु पिछले 2 दशकों में उठाये गए ठोस कदमों एवं उससे प्राप्त हो रहे सकारात्मक परिणामों पर विस्तृत चर्चा की।

मध्य प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख ने व्यक्तिगत जीवन की जगह सामाजिक जीवन को प्राथमिकता दी और अपना सम्पूर्ण जीवन समाज के लिए अर्पित कर दिया। मातृशक्ति का सम्मान एवं उनके सशक्तिकरण हेतु सामूहिक प्रयत्न हमारे जीवन का ध्येय बने। लैंगिक समानता के बिना कोई भी समाज सशक्त एवं समृद्ध नहीं हो सकता है इसे हम सभी अपने जीवन में अपनाएं एवं बेहतर समाज के निर्माण में अपना योगदान प्रदान करें। ऊर्जा के लिए पवन की शक्ति, सूर्य की ऊर्जा, समुद्र की ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग कैसे कर सकते है इस पर विचार करें।

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश तेजी के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। आजादी की 100वीं वर्षगाँठ पर हम विश्व की पहली अर्थव्यवस्था बन जायेंगे और सम्पूर्ण विश्व का नेतृत्व करेंगें। अपनी संस्कृति एवं सभ्यता का संरक्षण एवं संवर्धन करना अति आवश्यक है तभी विकास हमारे लिए वरदान बनेगा। लैंगिक समानता के बगैर उन्नति का मार्ग नहीं निकलता जहाँ चाह वहाँ राह, मजबूत इच्छाशक्ति से ही विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। हम सभी का सामूहिक प्रयास देश को विश्व गुरु बनाने में सहभागी होगा। मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित कराने हेतु किये जा रहे कार्यों के विस्तृत रोडमैप की जानकारी प्रदान की गई, 2030 तक ऊर्जा के कुल उपयोग के 50 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में सकारात्मक प्रयत्न किया जा रहा है।

द्वितीय दिवस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- सतत् विकास के लक्ष्यों पर आयोजित चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरे दिन देश भर से पधारे विद्वतजनों ने रखे अपने विचार
- केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य, श्री मंत्री सावित्री ठाकुर ने डीआरआई द्वारा ग्राम्य विकास के लिए किए जा रहे कार्य को बताया अनुकरणीय
- लैंगिक समानता और नवकरणीय ऊर्जा की दिशा में प्रगति के लिए वैश्विक संपर्क बनाने चित्रकूट में हुआ चिंतन

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्य एसडीजी 5 - लैंगिक समानता और एसडीजी 7 - नवकरणीय ऊर्जा तथा ग्रामोदय से सर्वोदय के लक्ष्य की प्राप्ति में परिवार एक महत्वपूर्ण आधार है पर चित्रकूट में दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन दीनदयाल परिसर के लोहिया सभागार में भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने संबोधन में कहा कि भारत के विकसित स्वरूप को प्राप्त करने में महिला सशक्तिकरण अति आवश्यक है। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने में हमारे देश की महिलाओं की भूमिका सदैव अग्रणी रही है। महिलाएं समाज का अभिन्न अंग रही हैं, महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु वर्तमान सरकार द्वारा प्रयास हो रहे हैं और उसके सकारात्मक परिणाम भी समाज में दिख रहे हैं। हमारी परम्पराएं वैदिक हैं एवं देवलोक से अभिसिंचित हैं यहाँ सभी पूज्यनीय हैं हमें अपनी परम्पराओं को कायम रखना है। भारत

अतुल्य है इसकी जैसी भूमि दुनियां में कहीं नहीं है। महिलाओं को लालच देकर सशक्त नहीं बना सकते उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना होगा। ग्रामों को उन्नत बनाया जाए, बेहतर शिक्षा व स्वास्थ सुविधाएं पहुँच सकें। अटल जी ने ग्रामों को शहरों से जोड़ने का कार्य किया तो वहीं वर्तमान सरकार ने सभी ग्रामों को विद्युतीकरण से जोड़ा। स्वच्छ भारत अभियान एक अभिनव परिकल्पना है स्वच्छ रहेंगें तो स्वस्थ रहेंगें। गरीबों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुँच रहा है। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा ग्राम्य विकास के लिए किए जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं।

दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पण्डित ने विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से होने वाले विमर्श की रूपरेखा प्रस्तुत की। संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालन करते हुए डीआरआई के महाप्रबंधक अमिताभ वशिष्ठ ने बताया कि लैंगिक समानता एक सर्वव्यापी उद्देश्य है और इसे राष्ट्रीय नीतियों, बजटों और संस्थानों का मुख्य केंद्र होना चाहिए।

दीनदयाल परिसर के अलग-अलग सभागारों में आयोजित तकनीकी सत्रों में एसडीजी - 5 लैंगिक समानता सत्र में डॉ. शिंजिनी सिंह निदेशक पॉलिसी वॉच इण्डिया फाउंडेशन द्वारा समानता के मार्ग भारत की युवा महिलाओं के लिए, श्री सुरेश तोमर संयुक्त निदेशक महिला एवं बाल विकास मंत्रालय मध्य प्रदेश ने मध्य प्रदेश में बाल उत्पीड़न की रोकथाम के लिए प्रोत्साहन योजनाएं और उनकी सफलता, डॉ. तानुषा अप्पा ने केयर इकोनॉमी पर, डॉ. सूरज कुमार सलाहकार कलिंगा सामाजिक विज्ञान संस्थान ने दक्षिण एशिया में महिला नेतृत्व की प्रगति और सम्भावनाएं, डॉ. रिंग सुआचोंग एमोल एसोसिएट प्रोफेसर सीएयू तुरा प्रजनन अधिकार लैंगिक समानता के लिए संघर्ष पर, श्रीमती रोली सिंह अपर सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने महिलाओं के सम्पत्ति अधिकारों की सुरक्षा पर कार्यवाई के लिए मुद्दे विषय पर, सुश्री भारती जोशी मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्रामीण फाउंडेशन इण्डिया ने महिलाओं के लिए गरीबी से बाहर निकलने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए डिजिटल समावेशन, श्री अरविन्द सिंह मुख्य कार्यकारी अधिकारी मातृ सुधा एनजीओ ने मासिक धर्म स्वास्थ्य को बढ़ावा देने संबंधित विषय बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा और प्रस्तुतीकरण किया गया।

वहीं दूसरी ओर लोहिया सभागार में एसडीजी -7 नवकरणीय ऊर्जा पर आयोजित तकनीकी सत्र में श्री मनु श्रीवास्तव (एसीएस) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा ने मध्य प्रदेश में ऊर्जा मिश्रण में परिवर्तन विशेष रूप से

सोलर एनर्जी पर तथा श्री अरविंद कुमार विशेष मुख्य सचिव तेलंगाना सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा विषय पर भारत में बढ़ता शहरीकरण और शहरी ताप को कम करने की रणनीतियाँ विषय पर हैदराबाद और तेलंगाना की केस स्टडी प्रस्तुत की। श्री कपिल देव त्रिपाठी पूर्व सचिव भारत सरकार द्वारा प्रत्यक्ष वस्तु के लिए कण जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रभाव, श्री ए चंद्रशेखर रेड्डी मीडिया सलाहकार दक्षिणी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश ऊर्जा दक्षता ब्यूरो विद्युत मंत्रालय भारत सरकार ने भारत में ऊर्जा दक्षता पर क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य के अंतर्गत ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण विषय, श्री जयदेव ताम्रकार, निदेशक विंध्य बोड्र्स ने उद्योग के लिए सौर ऊर्जा के लिए उपयोगकर्ता का दृष्टिकोण पर अपने विचार रखे। श्री मानस कुमार सतपते ने स्थानीय समाधानों के माध्यम से जलवायु में लचीलापन प्राप्त करना व भारत में जलवायु कार्यवाही एवं नेट जीरो के लिए प्रधान इण्डिया का दृष्टिकोण, डॉ. आशुतोष तिवारी निदेशक इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल ने भारत में 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का रोडमैप दर्शाया। डॉ. आरती शनवाने HOD बॉयोटेक्नोलॉजी LIT यूनिवर्सिटी नागपुर ने स्वच्छ ऊर्जा - जैवउर्वरक और जैव कीटनाशक उत्पादन प्रौद्योगिकी के लिए सुधारात्मक रणनीतियाँ विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस दौरान चित्रकूट के जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी एन एवं डॉ. भूपेश द्विवेदी मुख्य चिकित्साधिकारी चित्रकूट भी उपस्थित रहे।

तृतीय दिवस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- ग्रामोदय से सर्वोदय के लक्ष्य पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल हुए मध्य प्रदेश की नगरीय विकास, आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और सीएम योगी के सलाहकार श्री अवनीश अवस्थी
- केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने वर्चुअली संबोधन में कहा अमेरिका ने सड़कें नहीं बनाई बल्कि सड़कों ने अमेरिका को बनाया, हम आदर्श शहर ही नहीं आदर्श गांव भी बनाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्य एसडीजी-5 लैंगिक समानता एवं एसडीजी-7 नवकरणीय ऊर्जा पर चित्रकूट में दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चतुर्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन मध्य प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के सलाहकार एवं पूर्व मुख्य सचिव श्री अवनीश अवस्थी की मौजूदगी में समसामयिक अनुशंसाओं के साथ संपन्न हो गया। समापन सत्र में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने वर्चुअली जुड़कर संबोधित किया।

समापन सत्र में श्रीमती प्रतिमा बागरी राज्य मंत्री नगरीय विकास एवं आवास मध्य प्रदेश शासन, श्री अवनीश अवस्थी सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, श्री उमाशंकर पाण्डेय पद्मश्री जल पुरोधा, श्रीमती रोली सिंह अतिरिक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, श्री अनुराग वर्मा कलेक्टर सतना, श्री शिवशरणप्पा जी एन जिलाधिकारी चित्रकूट, श्री आशुतोष तिवारी सेक्रेटरी जनरल इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल स्वीडन, श्री अभय महाजन-संगठन सचिव एवं श्री वसन्त पंडित-कोषाध्यक्ष, दीनदयाल शोध संस्थान, श्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय - पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संचालन श्री अमिताभ वशिष्ठ, महाप्रबंधक-दीनदयाल शोध संस्थान ने किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि चित्रकूट गाँव का कार्य करने के लिए एक प्रेरणापुंज है। दुर्भाग्य है कि आज लगभग 30 प्रतिशत ग्रामीण आबादी शहरों की ओर बढ़ रही है। हमें

जल, जंगल, जमीन पर कार्य करना होगा। सरकार की योजनाओं से समाज एवं राष्ट्र का विकास होगा परंतु सरकार के द्वारा ही संपूर्ण विकास होगा ऐसा नहीं है। इसके लिए समाज के सभी लोगों को मिलकर सामूहिक प्रयत्न करना होगा। गाँव एवं देश का विकास बिना कृषि विकास के सम्भव नहीं है। हमारा अन्नदाता ऊर्जादाता भी बने, सुखांत इंडेक्स में बढ़ोतरी हो, इसके लिए प्रत्येक गांव में 24 घंटे बिजली, अच्छी सड़कें, स्वास्थ्य के लिए अच्छे अस्पताल, बच्चों की शिक्षा के लिए अच्छे स्कूल के साथ-साथ किसानों/ मजदूरों की आय में वृद्धि हो। जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर बने। इसके लिए प्रयत्न करना होगा। कृषि में उत्पादन लागत कम हो और उनकी आय में वृद्धि हो, कृषि पैटर्न पर किसानों को ध्यान देना होगा। इथेनॉल के प्रयोग को बढ़ावा देना होगा रासायनिक खादों के प्रयोग को धीरे-धीरे कम करना होगा। जैव उर्वरकों को बढ़ाना होगा धीरे-धीरे हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना होगा। कंपोस्ट खादों का उपयोग एवं देशी गौवंश विकास पर हमें ध्यान देना होगा। सतत विकास के लिए बायोफर्टिलाइजर का प्रयोग, प्राकृतिक खेती का प्रयोग करना होगा। संचार की सुविधा बढ़ानी होगी, हमें दौड़ने वाले पानी को चलने के लिए, चलने वाले पानी को रोकने के लिए और रुकने वाले पानी को जमीन को पीने के लिए लगाना होगा, अर्थात गांव का पानी गांव में खेत का पानी खेत में। पेट्रोल डीजल के स्थान पर सीएनजी का उपयोग करें जिससे गाड़ी का माइलेज भी ठीक होगा और हमारी विदेशों पर निर्भरता कम होगी। जिससे हमारी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होगी। कृषकों को लाभ होगा क्योंकि यह पैसा कृषकों के उत्थान पर खर्च किया जा सकता है। गांव के गरीब किसान और मजदूरों के पास पैसा आएगा तो वह सशक्त और मजबूत होगा। आने वाले समय में तकनीकी का बेहतर उपयोग करके कृषि उत्पादन को बढ़ाना कृषि लागत को घटाना होगा। कृषि विकास का एक मॉडल प्रस्तुत करना होगा। अमेरिका ने सड़कें नहीं बनाई बल्कि सड़कों ने अमेरिका को बनाया है। आदर्श शहर ही नहीं आदर्श गांव भी बनाएंगे, लोग शहर से गांव की ओर आएंगे ऐसा हमारा विश्वास है। हम सब इसके लिए प्रयत्न करेंगे। हम होंगे कामयाब एक दिन हम सब सामूहिक प्रयत्न से नाना जी के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे और उनके सपने को साकार करेंगे।

यूपी सीएम सलाहकार एवं पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश श्री अवनीश अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने से ही विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। असुरक्षा से समाज में सबसे ज्यादा महिलायें / लड़कियाँ एवं कमजोर व गरीब वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। लैंगिक भेदभाव न हो इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे सुधारात्मक कदमों की विस्तृत जानकारी एवं रोडमैप प्रस्तुत किया। लोगों को पुनः प्रकृति से जोड़ने का कार्य करने की आवश्यकता है। एअर कन्डीशन एवं लाइट का उपयोग कैसे कम किया जा सकता है, हर घर में उपयोग होने वाले जल का दुरुपयोग न हो, हमारे घर, मोहल्ले, गाँव कैसे स्वच्छ हो इस पर विचार करना होगा। सोलर एनर्जी प्रत्येक घर तक पहुंचे इसके लिए

जागरुक होना होगा। पद्मश्री जल पुरुष श्री उमाशंकर पाण्डेय ने कहा कि मैं राष्ट्र ऋषिनाना जी की सामाजिक पाठशाला का सौभाग्य से छात्र हूँ। माननीय गडकरी जी ने जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करने की बात की है। समान लैंगिकता पर उत्तर प्रदेश का उदाहरण दिया जा सकता है पानी बनाया नहीं जा सकता किंतु पानी बचाया जा सकता है। दीनदयाल शोध संस्थान सूरज का कार्य कर रहा है। हमें पानी की पाठशालाएं चलानी होगी, आज पानी के कारण हमारा बांदा क्षेत्र बासमती धान के क्षेत्र में अब आत्मनिर्भर हो रहा है। श्रद्येय नानाजी के कारण पानी का जलस्तर बढ़ा है, हमारा नाम आग लगाने वालों में नहीं आग बुझाने वालों में होना चाहिए।

राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि श्रद्धेय नानाजी ने जो ग्रामोदय का सपना देखा, वह साकार हो रहा है। हमें लैंगिक समानता पर घर से शुरुआत करनी होगी। यह विषय हमारे कार्य व्यवहार में भी दिखना चाहिए। सभी कामों में महिला एवं पुरुष दोनों को सहभागी होना चाहिए यहां तक की बच्चों के पालन पोषण में भी दोनों को मिलकर कार्य करना चाहिए। ग्राम वासी अपने स्थानीय संसाधनों से आत्मनिर्भर बने अपने घर में कितनी लैंगिक समानता है इस पर भी हमें विचार करना होगा और इसकी शुरुआत हम की जगह मैं से करनी होगी। हम अपने बच्चों को संस्कार दें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएं उन्हें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने दे। बच्चों में संस्कार एवं सामाजिक तत्वों का समावेश सही समय पर करना होगा। हमें अपना नजरिया बदलना होगा, हमें स्वच्छ ऊर्जा के लिए सोलर एनर्जी का उपयोग करें, हमें मातृशक्ति को सशक्त करना है हमें सभी स्तरों पर प्रयत्न करना होगा। हमारी आत्मा गांव में बसती है वहां रहने वाली मातृशक्ति के विकास के लिए सभी सर्वोत्तम प्रयास शासन द्वारा किए जा रहे हैं।

सम्मेलन के संयोजक और डीआरआई के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित ने कहा कि एसडीजी का यह चौथा सम्मेलन है। हमें इसे जमीनी स्तर पर प्रमाणित करना है। राष्ट्र ऋषि नाना जी ने राजनीति से सन्यास लेकर जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए पंडित दीनदयाल जी के एकात्म मानव दर्शन का जो सपना पूरा किया है, सतत विकास के माध्यम से हमें उसी को आगे बढ़ाना है। हमें इन लक्ष्यों की पूर्ति शीघ्रातीशीघ्र सरकार और समाज के साथ मिलकर करना है। हमें उपभोग करना है किंतु बचत भी, धरती का नुकसान रोकते हुए उपभोग करना है। हम छोटी छोटी चीजे करें बड़ी चीजें अपने आप संभल जाएंगी। नई पीढ़ी और छात्र 90 प्रतिशत गांव, घर और समाज से सीखते हैं 10 प्रतिशत स्कूलों से।

श्रीमती रोली सिंह अतिरिक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि मैं लैंगिक समानता पर बात करने आई थी किंतु हमें स्वास्थ्य पर भी बात करना होगी, स्वच्छता पर भी बात करना होगा एवं नवीकरण ऊर्जा पर भी विचार करना होगा। महिला हिंसा रोकने में जो कार्य हो रहे हैं वह प्रशंसनीय है। संगोष्ठी अत्यंत उपयोगी रही, हम सबने एक दूसरे से बहुत सीखा है और इसे जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सामूहिक प्रयत्न करना होगा।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विमर्श के दौरान प्राप्त सुझावों को संकलित कर यूनाइटेड नेशन एजेंसियों, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों एवं सतत विकास लक्ष्यों के व्यावहारिक कार्य में लगी संस्थाओं और शोध संस्थाओं को क्रियान्वयन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। सत्र के अंत में दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि नाना जी की प्रेरणा से उन्हीं की भावनाओं के अनुरूप जनता की पहल और पुरुषार्थ के अनुपम उदाहरण के तौर पर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला।

मुम्बई से आई टीम ने सुरेंद्रपाल विद्यालय के हायर सेकेंडरी के छात्र छात्राओं को दिया कैरियर संबंधी मार्गदर्शन

चित्रकूट/ सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय में कैरियर काउंसलिंग एंड गाइडेंस का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें मुंबई से आये हुए आई सेक्टर एवं मैनेजमेंट सेक्टर के कैरियर काउंसलर उपस्थित रहे। जी टीवी सुभाष चंद्रा ग्रुप के श्री सुनील जायसवाल तथा मुम्बई से आई उनकी टीम ने सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के हायर सेकेंडरी के छात्र छात्राओं को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन दिया। काउंसलर के रूप में श्री अनुराग, श्री अभिषेक एवं सुश्री दिशा ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन भी उपस्थित रहे। श्री महाजन ने कहा कि कैरियर काउंसलिंग से बच्चों को कैरियर के बारे में जानकारी मिलती है और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन मिलता है। यह उन्हें अपने कैरियर के बारे में सही फ़ैसला लेने में मदद करती है।

सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी तथा सचिव डा अशोक पाण्डे का भी मार्गदर्शन बच्चों को प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया ऐसे कार्यक्रम बच्चों के कैरियर तथा भविष्य का पथ प्रदर्शन करते हैं। मुंबई से जो एक्सपर्ट आये हैं उनका लाभ बच्चों को अवश्य मिलेगा।

गुरुकुल संकुल में अभिभावक सम्मेलन, 185 अभिभावकों की रही भागीदारी

अभिभावकों एवं अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण के साथ विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को किया सम्मानित

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान के शैक्षणिक आवासीय प्रकल्प गुरुकुल संकुल में अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रीवा जोन के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री साकेत पांडे एवं श्रीमती रश्मि पांडे, राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा के कुलगुरु प्रो. आई पी त्रिपाठी एवं दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन के आतिथ्य में महापुरुषों की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

पुलिस उप महानिरीक्षक श्री साकेत पांडे ने कहा कि गुरुकुल के बच्चे संस्कारित, स्वावलम्बी और समाजोपयोगी बनें और जहाँ भी जाये, समाज निर्माण के कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें, यही अभिभावक सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने अपने उद्बोधन में छात्रों के विकास के लिए अभिभावकों एवं गुरु, माता-पिता व विद्यालय को परस्पर मिलकर कार्य करने की बात कही। उन्होंने बच्चों के विकास व संस्कार के लिए बच्चों के जन्म से ही संस्कारित होने की बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ऋषि नानाजी के सपनों को साकार रूप देने का कार्य गुरुकुल संकुल के विद्यार्थी कर रहे हैं। गुरुकुल के छात्र समाज जीवन के विविध पहलुओं पर सृजनात्मक व विकासात्मक कार्य में संलग्न हो, ऐसी संस्थान की अपेक्षा है।

गुरुकुल संकुल के कार्यकर्ता दशरथ प्रजापति ने बताया कि सम्मेलन के दौरान बच्चों द्वारा सांस्कृतिक

प्रस्तुतियां भी प्रदर्शित की गई तथा पिछले एक सप्ताह से गुरुकुल सहः आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। विभिन्न प्रदर्शनों के अंतर्गत बच्चों द्वारा श्री राम स्तुति, योग रचना, डंबल, घूमर नृत्य, योग चाप, भजन, पिरामिड, महिषासुर मर्दिनी नृत्य, नियुद्ध, कमल रचना, आग का गोला आदि की प्रस्तुति दी।

इस दौरान अभिभावकों ने अपने सुझाव भी गुरुकुल को दिए। अभिभावकों में बांदा के व्यवसायी श्री राम निषाद, घुमंतू जनजाति प्रांत टोली के प्रतिनिधि श्री राम बहादुर गिरी, कर्वी के अधिवक्ता आलोक त्रिपाठी ने अपने सुझाव प्रस्तुत किये। अभिभावक सम्मेलन में अभिभावकों से प्राप्त सुझावों पर चर्चा के साथ गुरुकुल सहः चर्चा सत्र आयोजित किया गया। जिसमें गुरु माता-पिता एवं शिक्षकों के साथ अभिभावकों की मौजूदगी प्रमुखता से रही।

कार्यक्रम में दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. अशोक पांडेय, सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य श्री मदन तिवारी, गुरुकुल संकुल के प्रशिक्षक श्री राधेश्याम बाघमारे, मुकेश पाठक एवं सुरेंद्रपाल विद्यालय से सुश्री बबीता प्रजापति प्रमुख रूप से उपस्थित रहे एवं सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय के सभी शिक्षक गण एवं गुरुकुल के सभी गुरु माता-पिता की उपस्थिति भी प्रमुखता से रही।

अभिभावक सम्मेलन में बच्चों को पुरस्कार वितरण भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, सम्मेलन में 185 अभिभावकों ने भाग लिया।

विविध कलाओं के प्रदर्शन के साथ तुलसी संकुल के चोरहा-पैकौरा में हुआ बाल शिविर

शिविर में बच्चों ने अपने जीवन में नशा न करने की ली शपथ

73 बच्चों ने 3 दिन साथ रहकर सीखीं बहुआयामी कलाएँ

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा गाँव गाँव लगाए जा रहे बाल शिविर के अन्तर्गत चित्रकूट जनपद के ग्राम पंचायत चोरहा-पैकौरा में आयोजित तीन दिवसीय बाल शिविर के समापन एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन, जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष श्री अशोक जाटव, डॉ. पंकज सिंह (राजापुर), शिविराधिकारी श्री अजीत शुक्ला, ग्राम प्रधान श्री अवधेश यादव, उच्च प्राथमिक विद्यालय के श्री रविशंकर जी, प्रा. वि. के अध्यापक श्री मदन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में बाल शिविर का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

तीन दिवसीय शिविर में ग्राम पंचायत चोरहा-पैकौरा, सिकरी अमान, भदेवरा, भभेंट, करौदीकलां तथा नौनागर के बच्चों ने सहभागिता की। जिसमें 42 बालक, 31 बालिकाएं सम्मिलित रहे, कुल बच्चों की संख्या 73 रही। बच्चों को शारीरिक, बौद्धिक विकास की दृष्टि से नई पीढ़ी को गढ़ने का यह अभिनव प्रयोग बाल शिविर के माध्यम से बच्चों ने विभिन्न विविध आयामों को हंसते खेलते सरलता से सीखा समझा।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि बालकों के अन्दर छिपी प्रतिभा का आंकलन कर उसका समुचित विकास करना ही शिविर का उद्देश्य है। बाल शिविर में जो बच्चे सीख रहे हैं उनसे उन्हें एक जीवन दिशा मिल रही है। बच्चे अपना जीवन न भटकायें और यहां जो शारीरिक, बौद्धिक के माध्यम से जो बातें सीख रहे हैं। उसे स्वयं करते रहना तथा अपने-अपने स्कूलों में बच्चों को सिखाना है।

शिविर संयोजक श्री जितेन्द्र सिंह श्रीमती बबिता सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में 10 से 14 वर्ष के बालक बालिकाएं सहभागी रहे है। इस शिविर में शिक्षा, स्वास्थ्य, कला एवं विज्ञान के विषयों को भी शामिल किया गया है जिस पर विशेषज्ञों को बुलाकर इन विषयों पर जानकारी दी गई।

इस बाल शिविर में जागरूकता हेतु बोध वाक्य, स्वच्छता, तुलसी पौधा, गीत अभ्यास, योग, प्राणायाम, खेल, व्यायाम, पीटी, पिरामिड, नियुद्ध, डम्बल, प्रभातफेरी निकालना आदि गतिविधियां छोटे-छोटे भैया लोगों द्वारा तीन दिन तक गांव में ही रहकर प्रातः स्मरण से लेकर रात्रिकालीन तक सुचारू सम्पन्न कराई। इसके अतिरिक्त नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत बच्चों ने अपने जीवन में नशा न करने की सामूहिक शपथ भी ली। सभी विद्यालयों के शिक्षकों ने अपने अपने विद्यालयों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने का निश्चय किया।

इस शिविर में दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री अनिल सिंह, परमानन्द विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वरुण जी, समाज शिल्पी दंपत्ति श्री मनोज त्रिपाठी, श्रीमती पद्मा त्रिपाठी एवं श्री राकेश यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बच्चों के अन्दर छिपी प्रतिभा का समुचित विकास करना ही शिविर का उद्देश्य - अभय महाजन

चित्रकूट/ बढ़े चलो तुम, बढ़े चलो तुम, मंजिल दूर नहीं साथी ऐसा भाव दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा तैयार किये गये बाल मित्रों द्वारा आयोजित गांव-गांव में चल रहे बाल शिविरों में दिखाई दिया। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा प्रशिक्षित बाल मित्रों द्वारा ग्राम स्तर पर बाल शिविर का आयोजन किया गया। पिछले एक माह से क्रमशः चल रहे बाल शिविरों में बाल विस्तारकों द्वारा गांव के सभी बच्चों को कुछ न कुछ डम्बल, लेजिम, ताइक्वाइंडो, गीत, पीटी इत्यादि आये तथा बालकों के अन्दर छिपी प्रतिभा का आंकलन कर उसका समुचित विकास करना व इन प्रशिक्षित बालकों के द्वारा अल्प अवधि में ग्राम में रहकर ग्रामीण क्षमताओं का विकास करना जिससे ग्राम के पर्वों, श्रद्धा केन्द्रों व अपने बुजुर्गों के प्रति आदर की भावना का विकास हो सके।

चित्रकूट क्षेत्र के 14 संकुल केन्द्रों पर लगाये जा रहे बाल शिविर

चित्रकूट क्षेत्र के 14 संकुल केन्द्रों पर बाल शिविर लगाये गए हैं। जिनका समापन भी क्रमशः गांव में किया जा रहा है। गोदावरी संकुल का बाल शिविर पालदेव ग्राम पंचायत के आबादी ग्राम पौसलहा में विद्यालय नवीन सरस्वती ज्ञान सागर पौसलहा में किया गया, जिसमें गोदावरी संकुल के लगभग 19 गांवों के 82 बच्चों ने शिविर में भाग लिया और योग व्यायाम, पीटी, संस्कार के साथ-साथ बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां की, जिन्हें देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध रहे और खुश रहे।

शिविर समापन समारोह ग्राम पंचायत श्री पालदेव सरपंच की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसके मुख्य अतिथि अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत चित्रकूट की अध्यक्ष सुश्री साधना पटेल, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड मध्य प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष श्री जितेन्द्र लिटोरिया, श्री योगेन्द्र मिश्रा संकुल प्राचार्य कामता, व्याख्याता श्री के के वाजपेई कामता, टेढ़ी पतवनिया सरपंच श्री नारेंद्र पटेल और अन्य गणमान्य नागरिक बंधुओं तथा विद्यालय के बच्चे व ग्राम वासी बंधुओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अंत में शिविराधिकारी के रूप में नवीन सरस्वती ज्ञान सागर पौसलहा के संचालक श्री विद्या सागर पटेल ने सभी

अतिथियों, ग्राम वासियों, बच्चों और सहयोगियों को आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत अमिरती विद्यालय में बच्चों का बाल शिविर समापन कार्यक्रम में डीआईजी भोपाल श्री इन्द्रमणी पाण्डेय, समाजसेवी श्री सीताराम जी, श्री राम राज सिंह, श्री चूड़ामणि सिंह, श्री राजेश दीक्षित और गाँव के गणमान्य लोगों के साथ समाज शिल्पी दंपत्ति वीरेन्द्र एवं श्रीमती छाया चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

बाल शिविर के अन्तर्गत चित्रकूट जनपद के ग्राम पंचायत हरदौली में आयोजित तीन दिवसीय बाल शिविर के समापन एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. पंकज सिंह (राजापुर), शिविराधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान श्री जोकर, उच्च प्राथमिक विद्यालय के श्री अवधेश सिंह, प्रा. वि. के अध्यापक श्री कौशलेंद्र मिश्रा, डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, श्री कमला शंकर शुक्ला वैज्ञानिक, श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान, श्री वरुण त्रिपाठी प्रधानाध्यापक परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति में बाल शिविर का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

तीन दिवसीय शिविर में ग्राम पंचायत हरदौली, चनहट, डढ़िया के बच्चों ने सहभागिता की। जिसमें 21 बालक, 46 बालिकाएं सम्मिलित रहे, कुल बच्चों की संख्या 67 रही। बच्चों को शारीरिक, बौद्धिक विकास की दृष्टि से नई पीढ़ी को गढ़ने का यह अभिनव प्रयोग बाल शिविर के माध्यम से बच्चों ने विभिन्न विविध आयामों को हंसते खेलते सरलता से सीखा समझा।

शिविर संयोजक श्री जितेन्द्र सिंह श्रीमती बबिता सिंह संचालन श्री अमन सिंह ने किया। कार्यक्रम में समाजशिल्पी दम्पति श्री राकेश यादव, श्री धनराज जी एवं रोजगार प्रेरक श्री सोनू सिंह ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

स्वावलंबन अभियान के प्रभारी डॉ. अशोक पाण्डेय ने बताया कि दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी के अन्दर व्यक्तित्व विकास के साथ समाज मूलक बातों की जागरूकता हेतु समाजशिल्पी दम्पति व सहयोगी कार्यकर्ताओं के माध्यम से संकुल केन्द्रों पर यह बाल शिविर के आयोजन क्रमशः सम्पन्न किये जा रहे हैं।

दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र सिंह ने बताया कि गांव गांव में संस्कार क्षम गतिविधियों के माध्यम से ग्राम वासियों के सामूहिक प्रयासों से बाल शिविर संपन्न हो रहे हैं। क्रमशः सम्पन्न हो रहे इन तीन एवं चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 10 से 14 वर्ष के बालक बालिकाएं प्रशिक्षण ले रहे हैं। ऐसे 14 संकुल केंद्र पर शिविर आयोजित हो रहे हैं, जिससे 512 ग्राम आबादियों के बच्चे प्रशिक्षण ले रहे हैं। दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के कार्यकर्ता, सहयोगी कार्यकर्ता और विद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयत्न से यह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है।

जीवन में नशा न करने की सामूहिक शपथ भी ले रहे बच्चे

ग्रामों में अलग-अलग आयोजित इस बाल शिविर में दीवार लेखन, जिसमें जागरूकता हेतु बोध वाक्य, स्वच्छता, तुलसी पौधा, गीत अभ्यास, योग, प्राणायाम, खेल, व्यायाम, पीटी, पिरामिड, नियुद्ध, डम्बल, प्रभातफेरी निकालना आदि गतिविधियां छोटे-छोटे भैया लोगों द्वारा तीन दिन तक गांव में ही रहकर प्रातः स्मरण से लेकर रात्रिकालीन तक सुचारू सम्पन्न कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत बच्चों ने अपने जीवन में नशा न करने की सामूहिक शपथ भी ली। सभी विद्यालयों के शिक्षकों ने अपने अपने विद्यालयों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने का निश्चय किया।

कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में बरिहा कुम्हड़ा से पेठा बनाने का महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण

बरिहा कुम्हड़ा का प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन करके रोजगार सृजन की दिशा में 40 महिलाओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में किया गया प्रशिक्षित

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां, सतना में ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध बरिहा कुम्हड़ा से पेठा बनाने का महिलाओ को प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां, सतना में खाद्य प्रसंस्करण विभाग के वैज्ञानिक डॉ. हेमराज द्विवेदी ने पेठा की उपयोगिता बताते हुए प्रशिक्षण उपलब्ध कराया और कहा कि अभी तक सिर्फ महिलाये बड़ी ही बनाती है, इसलिए यह प्रशिक्षण महिलाओं के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा, यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक पहल है।

इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल ने प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को कहा कि आप सभी यहाँ से सीख कर ग्राम स्तर पर इसे बनाकर रोजगार कर सकती हैं। नाना जी की जो स्वावलंबन की परिकल्पना थी वह तभी साकार होगी। उन्होंने बताया कि पूर्ण मनोयोग से अगर कोई भी कार्य किया जाये या शुरुआत की जाये उसके परिणाम सदैव सकारात्मक प्राप्त होते हैं। आपके इस प्रयास में कृषि विज्ञान केन्द्र, मझगवां एवं दीनदयाल शोध संस्थान हर सम्भव मदद के लिए तत्पर है, वे चाहे किसी भी नये कार्य की योजना प्रस्ताव, प्रशिक्षण एवं विपणन ही क्यों न हो। उपरोक्त प्रशिक्षण में मझगवां जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से 40 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में श्री पुनीत गौतम, श्री दयाराम यादव, सुश्री सरोज यादव, सुश्री कीर्ति का विशेष सहयोग रहा। इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर बहुतायत में पाए जाने वाले बरिहा कुम्हड़ा का प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन करके रोजगार सृजन करना है। इन 40 महिलाओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है जो अपने-अपने गांव में उपलब्ध बरिहा कुम्हड़ा से पेठा एवं बड़ी निर्माण कर आय में वृद्धि करेंगी। कृषि विज्ञान केंद्र से प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अखिलेश जागरे ने बताया कि हमारे क्षेत्र में बरिहा कुम्हड़ा बहुतायत मात्रा में पाया जाता है यदि महिलायें इसे सीख कर बनाए तो अच्छा रोजगार मिल सकता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दलहन एवं तिलहन का अच्छे उत्पादन के लिए कृषकों को दिया गया तकनीकी मार्गदर्शन

मझगवां/ दलहन विकास निदेशालय, भोपाल के संयुक्त निर्देशक डॉ. ए. के. शिवहरे ने दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां में संचालित समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन एवं तिलहन) और किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के समूह प्रदर्शन (दलहन एवं तिलहन) अंतर्गत प्रदर्शित फसल तकनीकी के मॉनीटरिंग हेतु कृषकों के प्रक्षेत्रों पर भ्रमण किया और कृषकों को अच्छे उत्पादन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया।

मुख्य रूप से ग्राम पटना कला (मझगवां) के श्री पन्नेलाल सिंह पिता श्री सुन्दर सिंह के प्रक्षेत्र पर सरसों में समन्वित फसल प्रबंधन तकनीक जिसमें उन्नतशील प्रजाति (आर. एच. 761), बीज उपचार (कार्बोक्सिन+थीरम @ 2 मिली/ किलोग्राम. बीज), सल्फर अनुप्रयोग (एस एस पी. @ 100 किग्रा/एकड़) एवं कीट नियंत्रण (थायमेथाक्साम) @ 100 मिली/एकड़) पर आधारित समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का अवलोकन किया। इसके साथ ही ग्राम पटना खुर्द स्थित इंडो न्यूक्लियर एनर्जी कंपनी के फाउंडर श्री आर के पांडेय से मिलकर बायोफ्यूल एथेनाल उत्पादन एवं फसल विविधीकरण हेतु मक्का उत्पादन की संभावना, क्षेत्र विस्तार, समस्या और समाधान पर चर्चा की गई।

भ्रमण के दौरान दीनदयाल शोध संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां के समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन प्रभारी डॉ अजय चौरसिया, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग मझगवां से कृषि विस्तार अधिकारी एस के गर्ग एवं अरविन्द राठौर सहित ग्राम के 15 कृषकों की उपस्थिति रही।

किशोरी स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर में 315 बालिकाओं का किया स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकों ने बताए स्वस्थ खान पान के तौर तरीके

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान एवं राजस्व विभाग चित्रकूट उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में राजस्व शिविर एवं किशोरी स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर "पंख" का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज धुरेटनपुर में संपन्न हुआ। किशोरी जागरूकता शिविर में चित्रकूट जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि यह स्वास्थ्य शिविर बहुत ही महत्वपूर्ण है। आपके जीवन में बदलाव के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है इसलिए हेल्थ चेकअप जरूरी है। उन्होंने कहा कि बहुत सी लड़कियों में खून की कमी रहती है अपने स्वास्थ्य को गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि घर वालों को विश्वास दिलाएं ताकि वो हमें आगे पढ़ा पाएं। आज के युग में टेक्नोलॉजी विनाशक बन चुका है उसका उपयोग हमें जरूरत पड़ने पर करना है। सोशल मीडिया का उपयोग करें, दुरुपयोग ना करें, इसके साथ ही अपने माता-पिता व अध्यापक का सम्मान करें एवं मेंटली प्रिपेयर्ड भी रहे।

जिलाधिकारी ने उपस्थित छात्राओं से कहा कि आप लोग योग भी करें। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के साथ ही साथ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है जैसे कन्या सुमंगला योजना यह बालिकाओं से संबंधित है उसका लाभ उठाएं, 1090 हेल्पलाइन नंबर है अगर कोई ब्लैकमेल करता है तो शिकायत करें, उन्होंने कहा कि चुप्पी तोड़ो कुछ तो बोलो इस हेल्पलाइन नंबर पर बात कर अपनी समस्याओं को बताएं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में आप लोगों को कैरियर चुनने के लिए विशेषज्ञ को भी बुलाया जाएगा जो आप लोगों का मकसद है वह अवश्य करें।

मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट श्रीमती अमृतपाल कौर ने कहा कि यह शिविर किशोरी स्वास्थ्य जागरूकता परीक्षण के लिए किया जा रहा है जो महत्वपूर्ण है जो आपके शरीर में कमी है चेकअप से पता चल जाएगा। इस उम्र में अपनी सेहत का ख्याल रखें यह सही समय है बहुत सी बच्चियाँ स्कूल में नहीं जाती हैं उनसे भी बात कर बताएं। उन्होंने कहा कि परिवार से ही बच्चियाँ सीखती है कि हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं। आप नारी शक्ति हैं आसपास की बच्चियों को भी बताएं। उन्होंने कहा कि अब महिला अबला नहीं रही अब महिलाओं का सशक्तिकरण हो चुका है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के ऊपर पुरुषों से भी

अधिक जिम्मेदारी रहती है। आज सोशल मीडिया का जमाना है हमें रील्स बनाने में समय व्यर्थ नहीं करना है आप लोगों को आगे जाना है टाइम वेस्ट ना करें, अपना कैरियर बनाएं महत्व को समझे। छोटी सी उम्र में शादी हो जाती है, भ्रूण हत्या इन सब की जागरूकता आप लोगों में होनी चाहिए। इस शिविर के माध्यम से आप लोग लाभ उठाएं।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने बताया कि देश में पूर्वी सभ्यताओं का जो असर पड़ा है वह देश को बदला है। टीवी मोबाइल ने देश को गंदा कर रखा है, उन्होंने कहा कि मानवता ही सबसे बड़ा कर्म है अपने माता-पिता की बातों को मानें इसलिए भारतीय परंपराओं का संस्कार, खान-पान आदि का उपयोग करें। श्री महाजन ने कहा कि नाना जी देशमुख जो सपना देखे थे कि भारत गांव में बसता है आज प्रधानमंत्री मोदी जी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी का सबका साथ सबका विकास के साथ अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति को लाभ मिले यह उनकी विचारधारा है।

दीनदयाल शोध संस्थान एवं राजस्व विभाग चित्रकूट उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में राजस्व शिविर के आयोजन में जिलाधिकारी ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान एवं राजस्व विभाग के संयुक्त संयोजन में चौपाल लगाया गया है। कोई भी समस्या हो तो जो कांउटर लगाए गए हैं उस पर जाकर अपनी समस्याओं का निस्तारण कराए। उन्होंने किसान भाइयों से अपील किया कि किसान आईडी बनाया जा रहा है, किसान सम्मान निधि के साथ ही साथ अन्य योजनाओं का लाभ इससे मिलेगा, इसका रजिस्ट्रेशन अवश्य कराएं। प्रधानमंत्री आवास योजना का सर्वे किया जा रहा है जो पात्र व्यक्ति रहेगा उसे अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कृषि विभाग द्वारा भी यंत्र बांटे जाते हैं जो पात्र लाभार्थी रहते हैं उन्हीं को दिया जाता है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, श्री अभय महाजन द्वारा उपस्थित ग्रामीणों में 50 कंबल वितरण भी किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी कर्वी सुश्री पूजा साहू, डीसी मनरेगा श्री धर्मजीत सिंह, डीसीएनआरएलएम श्री ओ.पी. मिश्रा, तहसीलदार श्री वॉचसपति सिंह, राजकीय विद्यालय के प्राचार्य श्री हरिश्चंद्र, संत विपिन विराट सहित संत महात्मा, डॉ. अनिल जायसवाल उप महाप्रबंधक दीनदयाल शोध संस्थान, डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां, श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान, समाज शिल्पी दम्पति प्रभारी डॉ. अशोक पाण्डेय, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री हरिराम सोनी, श्री विनीत श्रीवास्तव प्रमुख दिशा दर्शन केंद्र, वैज्ञानिक श्री कमलाशंकर शुक्ला, श्री विजय गौतम, श्री उत्तम त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जन शिक्षण संस्थान एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई तथा 315 बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

उद्यमिता विद्यापीठ में धूमधाम से मनाई गई अटल जी की 100वीं जयंती, दीनदयाल शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष रहे है अटल बिहारी वाजपेयी

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान, उद्यमिता विद्यापीठ में ऐतिहासिक अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी दीनदयाल शोध संस्थान के प्रथम अध्यक्ष भी रहे हैं।

इस आयोजन में जन शिक्षण संस्थान गोंडा, दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र और खादी ग्रामोद्योग आयोग के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम में युवाओं और छात्रों के बीच राष्ट्र सेवा और उद्यमिता की भावना को जागृत करने पर जोर दिया गया।

इस खास मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, अजीत सिंह प्रधानाचार्य महाराज देवी बक्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा और कृष्णा प्रसाद द्विवेदी क्षेत्र सहायक जन शिक्षण संस्थान ने अटल जी के नेतृत्व और उनके कवि हृदय और उनकी दूर दृष्टि का उल्लेख करते हुए कहा कि कैसे उनके विचार आज भी हमारे समाज को सही दिशा दिखाते हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने कौशल और ज्ञान का उपयोग देश के विकास में करें। यह अवसर न केवल अटल जी के योगदान को स्मरण करने का था बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात कर नए भारत के निर्माण में योगदान देने की प्रतिज्ञा लेने का भी था।

दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि अटल जी दीनदयाल शोध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे हैं। अपने भीतर छिपे उद्यमी और राष्ट्र सेवक को पहचानें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कदम उठाएं। इस अवसर पर डीआरआई के उप महाप्रबंधक डॉ अनिल जायसवाल, उद्यमिता विद्यापीठ के संयोजक मनोज सैनी भी उपस्थित रहे।

महिला बाल विकास के सेवारत कर्मचारियों का पोषण सुरक्षा पर प्रशिक्षण

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में पोषण सुरक्षा पर महिला बाल विकास के सेवारत कर्मचारियों का पोषण सुरक्षा एवं पोषकीय गृह वाटिका विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर महिला बाल विकास के सी डी पी ओ श्री अभय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के प्रभारी डॉ. हेमराज द्विवेदी ने पोषण एवं पोषण वाटिका के प्रजेंटेशन के माध्यम से सभी आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को बताया कि पोषण हमारे जीवन के लिए क्यों जरूरी है। साथ ही बताया कि साल भर कैसे हरी सब्जियां उपलब्ध रहे, साथ ही कैसे पोषण वाटिका लगाएं और पोषण वाटिका में किस मौसम में कौन सी सब्जी उगाएं इस पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया।

कार्यक्रम में सस्य वैज्ञानिक डॉ. अजय चौरसिया ने बताया कि कैसे हम मोटे अनाजों का उपभोग कर स्वस्थ रह सकते है। डॉ. चौरसिया ने कैल्सियम एवं आयरन एव फाइबर रिच सुपर फूड के बारे में बताया। उद्यानिकी विषय के वैज्ञानिक श्री पुष्पेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा बागवानी फसलों को कैसे किचन गार्डन में शामिल करें एवं अपनी संतुलित थाली बनाने के लिए पत्तेदार सब्जियां, कंद वाली सब्जियां, फली वाली सब्जियों को शामिल करें, सात दिन सात क्यारी के नियम को बताया। प्रसार वैज्ञानिक श्री पंकज शर्मा द्वारा प्राकृतिक खेती के तरल जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत खाद का प्रायोगिक विधि प्रदर्शन कराया गया और आंगनवाड़ी में लगाए जाने वाली पोषण वाटिका में परंपरागत तरीके से कैसे कीट नियंत्रक के रूप में माठा, कंडे की राख, दही, नीम की पत्ती का उपयोग किया जाए की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के उपरांत केंद्र की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण कराया गया। जिसमें प्रमुख रूप से तकनीकी पार्क, मिलेट प्रसंस्करण इकाई, गृह विज्ञान इकाई, मशरूम उत्पादन इकाई, पोषकीय गृह वाटिका का भी अवलोकन कराया गया। जिससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने अपने केंद्र में और घरों में पोषण वाटिका स्थापित करायें। जिससे मझगवां विकासखंड की मूल समस्या कुपोषण को दूर किया जा सकता है।

महिला बाल विकास के सी डी पी ओ श्री अभय कुमार ने बताया कि शासन द्वारा हमारा मझगवां विकास खंड आकांक्षी विकास खंड है जिसमें हमें 10 केंद्रों में पोषण वाटिका स्थापित कराना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से इसमें हमें बहुत मदद मिलेगी। जिससे हमें सक्षम आंगनवाड़ी बनाने में आसानी होगी। उक्त कार्यक्रम में 21 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण में श्री अशोक शर्मा, डॉ. सुमित, सुरेन्द्र पयासी आदि की उपस्थिति रही।

आरोग्यधाम द्वारा दो दिवसीय परम्परागत वैद्य सम्मेलन का आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने किया शुभारंभ

यू.पी. एवं एम.पी. के 16 जिलों के 54 परंपरागत वैद्यों ने साझा किए अनुभव

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान के स्वास्थ्य प्रकल्प आरोग्यधाम के द्वारा उद्यमिता विद्यापीठ के लोहिया सभागार में परंपरागत वैद्यों के दो दिवसीय सम्मेलन का शुभारंभ अनुसुइया आश्रम के संत पवन बाबा, मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विजय अग्रवाल, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा, सतना के जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एल के तिवारी, डॉ. पूर्णिमा विशेषज्ञ योग एवं रसाहार, दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन सहित वैद्य लखन सिंह चौहान, वैद्य राजेंद्र पटेल द्वारा भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के पश्चात कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर डीआरआई के शोध शाला प्रभारी डॉ. मनोज त्रिपाठी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परंपरागत वैद्यों द्वारा उपयोग किये जाने वाली पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से रोगों का उपचार करने वाले ज्ञान का डाटा-बेस तैयार करना है, जिससे उसका वैज्ञानिक विधि से परीक्षण एवं मानकीकरण का कार्य किया जा सके तथा इसकी वैश्विक स्वीकार्यता और नई दवाओं को विकसित करने के लिये एक मंच प्रदान करने की दिशा में प्रयास करना है।

आरोग्यधाम के वैद्य राजेन्द्र पटेल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में वैद्यों द्वारा पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के ज्ञान की निरंतरता को बनाये रखना है जो बीमारी जिस क्षेत्र में होती है उसका इलाज भी वहीं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होता है हमें सिर्फ उसकी पहचान करने की

आवश्यकता होती है। हमारा कार्य कम दवा, कम पैसे व कम समय में लोगों को स्वस्थ रखना है।

डॉ. पूर्णिमा ने कहा कि हर व्यक्ति को हर मामले में स्वावलंबी बनाना नानाजी का लक्ष्य था। स्वस्थ व्यक्ति को सदैव स्वस्थ रखने एवं अस्वस्थ को शीघ्र स्वस्थ रखने का प्रयत्न करना है। यहाँ हमारा परंपरागत ज्ञान ही उपयोगी है अर्थात जो निरोगी है वह कैसे निरोगी रहे इसके लिए हमें अपनी प्रतिदिन की कार्य योजना तैयार रखना चाहिए, तनाव रहित रहना चाहिए। ताजी जड़ी बूटियां से उपचार यथाशीघ्र संभव होता है।

प्रबंध निदेशक श्री विजय अग्रवाल ने कहा कि संस्थान द्वारा समाज के लिए किया जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं। प्राकृतिक चीजों से इलाज स्वास्थ्य वर्धक एवं सर्वोत्तम है। पांच तत्वों से यह शरीर बना है और पंचतत्वों का समन्वय ही हमें निरोगी बनाए रखता है। हमें अपने परंपरागत ज्ञान का उपयोग करना चाहिए।

मध्य प्रदेश के आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत की परंपरागत चिकित्सा प्रणाली सबसे प्राचीन है जिससे सभी ने अपनी-अपनी चिकित्सा प्रणाली विकसित की है। प्रकृति के निकट रहने के कारण भारत सदैव स्वस्थ रहा है। जब अंग्रेज भारत आए तो उन्होंने देखा कि भारत की शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था समाज आधारित है, इसलिए यहां सभी शिक्षित और खुशहाल है। अंग्रेजों द्वारा ही सर्वेक्षण के दौरान यह पता लगाया गया कि उस समय शिक्षा एवं संस्कृति के आधार पर भारत की शिक्षा दर 80 से 92% के आसपास थी। उस समय लगभग 7 लाख गुरुकुल संचालित हो रहे थे। तो फिर आज हमें क्यों बताया जाता है कि हमारे पूर्वज अशिक्षित थे, प्रकृति में पाई जाने वाली प्रत्येक वनस्पति हमारे लिए उपयोगी है। उसके प्रति विश्वास एवं श्रद्धा होनी चाहिए। भारत की परंपरा ज्ञान है, दुनिया ने ज्ञान का पेटेंट कराया और पैसा कमाया। किंतु भारत देश ने ऐसा कभी नहीं किया। हमारा सदैव यह मानना रहा है कि ज्ञान पर सबका अधिकार है अर्थात वह सार्वभौमिक है। उसका उपयोग प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण के लिए होना चाहिए। देश के हर व्यक्ति को सस्ता इलाज सिर्फ आयुर्वेद ही प्रदान कर सकता है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमें सबसे पहले स्वयं पर विश्वास करना होगा तभी दूसरे हम पर विश्वास करेंगे। हर क्षेत्र में शोध की आवश्यकता है। जिससे भारत के विशाल ज्ञान को संपूर्ण विश्व को दिखाया जा सके। सम्पूर्ण शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। परंपरागत चिकित्सा पद्धति

हमारी शान बनेगी, भारत के ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित करना होगा। अपनी धारणा में परिवर्तन करना होगा, भ्रांतियां हटानी होंगी। परंपरागत ज्ञान आजीविका का संसाधन कैसे बने इसके लिए शासन प्रयत्नशील है। जिस ज्ञान का हम सदियों से उपयोग करते आ रहे हैं उसका सदैव प्रवाह बना रहे इसके लिए भारत सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। यह पद्धति सर्व समाज के कल्याण हेतु कैसे उपयोग हो इस पर चिंतन करना होगा।

दूसरे दिन समापन अवसर पर जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ शिशिर कुमार पाण्डेय, उपसंचालक शिक्षा रीवा श्री कमलेश्वर प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के 16 जिलों के 154 वैद्यों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया है, जिसमें स्वावलम्बन केंद्रों से 83, सम्पर्कित केंद्रों से 39 एवं अन्य जगहों से 32 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. पूर्णिमा ने कहा कि महिलाओं से संबंधित रोगों पर विशेष चर्चा होनी चाहिए एवं ऐसे कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि होनी चाहिए तथा सभी से आग्रह है कि परिवार की महिलाओं को वैद्य के रूप में स्थापित करने का प्रयत्न हम सबको करना चाहिए, क्योंकि हमारे इस परम्परागत ज्ञान में वे हमारी सहभागी रहती हैं।

कुलपति डॉ. शिशिर कुमार पाण्डेय ने कहा कि नाना जी युगद्रष्टा थे इसलिए उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ताजी हरी जड़ी बूटियों से आजीवन स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया एवं स्थानीय ज्ञान को सार्वभौमिक बनाने का प्रयत्न किया। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा परम्परागत ज्ञान के सर्वोपयोगी बनाने हेतु जो प्रयत्न किये जा रहे है वह हमारे परम्परागत ज्ञान को एक दूसरे के साथ साझा करने का बेहतर प्रयास है। ऐसे कार्यक्रमों को छोटे-छोटे समूहों में महानगरों तक पहुँचाना चाहिए जिससे वे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ज्ञान से निरोगी रह सकें।

समापन सत्र में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि आप सभी ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन बचाने का महान कार्य निःस्वार्थ भाव से कर रहे हैं वह प्रशंसनीय है। सभी ग्राम आबादियों में परम्परागत वैद्य हों और हम अपने ज्ञान को अपनों के साथ साझा करें और उसे आगे बढ़ाएं। सभी मिलकर कार्य करें। सम्मेलन में आये हुए वैद्यों ने अपने-अपने अनुभव भी साझा किये और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान को वर्ष में कम से कम दो बार आयोजित करने चाहिए। कुछ वैद्यों ने सुझाव दिया कि किसी विशेष क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली औषधि को यहाँ लेकर आना चाहिए जिससे अन्य भी उससे लाभान्वित हो सकें साथ ही संस्थान में उन्हें रोपित कर उसका संरक्षण एवं संवर्धन हो सके।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री मनोज सैनी, प्रभारी उद्यमिता विद्यापीठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दीनदयाल शोध संस्थान के उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल, आयुर्वेद रिसर्च शाला के प्रभारी डॉ. मनोज त्रिपाठी, आरोग्य धाम के ग्रामीण स्वास्थ्य विभाग के डॉ. राजीव शुक्ला, श्री समरजीत सिंह, श्री दयालाल यादव, समाजशिल्पी दम्पति प्रभारी डॉ. अशोक पाण्डेय, श्री राजेन्द्र सिंह, श्री हरिराम सोनी, श्री कालिका प्रसाद श्रीवास्तव, श्री अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान सहित संस्थान के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि आरोग्यधाम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले वैद्य सम्मेलन का शुभारंभ राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख ने वर्ष 2003 में किया था। वैद्य सम्मेलन का उद्देश्य परंपरागत आयुर्वेदिक नुस्खों की जानकारी एवं ज्ञान का आदान प्रदान कर आयुर्वेद के माध्यम से आजीवन स्वास्थ्य रखने के उपायों की जानकारी अपनाकर ग्रामीण जनों को स्वस्थ रखना है। प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थियों को डॉ. मनोज त्रिपाठी द्वारा आरोग्यधाम स्थित औषधि वाटिका का भ्रमण कराकर औषधीय पौधों की पहचान भी कराई गई।

केवीके में रबी फसलों एवं प्राकृतिक कृषि पर प्रशिक्षण

कृषकों को कृषि में जैविक उत्पादों का समावेश करके खेती करने के लिए किया प्रेरित

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में आत्मा परियोजना के अंतर्गत रबी फसलों एवं प्राकृतिक कृषि पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन द्वारा श्रद्धेय नानाजी देशमुख के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौवंश ही कृषि का आधार है एवं कृषकों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

जनपद पंचायत अध्यक्ष मझगवां श्रीमती रेणुका जायसवाल द्वारा कृषकों को जैविक उत्पादों को कृषि में समावेश करके खेती करने के लिए आग्रह किया।

प्रशिक्षण में आत्मा परियोजना निदेशक सतना श्री राजेश त्रिपाठी द्वारा कृषकों को प्राकृतिक कृषि के लाभ एवं असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के दुष्परिणामों के विषय में जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश जागरे द्वारा फसलों में प्राकृतिक खेती के उत्पाद बनाने की विधियाँ एवं उत्पाद जैसे तरल जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत खाद पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

रबी फसलों की समसामयिकी विषय पर विस्तार से जानकारी डॉ. अजय चौरसिया द्वारा दी गई। कृषि विभाग अधिकारी श्री महेंद्र प्रताप सिंह ने विभागीय योजना की जानकारी कृषकों से साझा की। प्रशिक्षण के उपरांत प्रक्षेत्र एवं जीवांत इकाई जैसे तकनीकी पार्क, जैविक खाद उत्पादन, केंचुआ खाद उत्पादन, नवाचार अभिनव प्रयोग, मशरूम उत्पादन, हाइटेक नर्सरी एवं फल बागवानी इकाई में भ्रमण के दौरान प्रशिक्षण में आए कृषक एवं कृषक महिलाओं को श्री पुष्पेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम का संचालन प्रसार वैज्ञानिक श्री पंकज शर्मा द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण उपरांत श्रीमती अल्का शुक्ला बीटीएम आत्मा परियोजना द्वारा प्रशिक्षण में आए अतिथियों एवं कृषकों का आभार व्यक्त किया।

इस प्रशिक्षण में मझगवां कृषि विभाग से एसएडीओ जयनारायण पांडे, ए.पी. सिंह एवं केवीके से हेमराज द्विवेदी, अशोक कुमार शर्मा, अरविंद सिंह एवं एफपीओ से वैष्णवी पाटेकर, प्रभात सिंह, अतुल पांडेय, प्रगतिशील कृषक एवं महिला कृषकों में राम नरेश शर्मा, राजेंद्र सिंह, कृष्ण केशव त्रिपाठी, विजय द्विवेदी, राजकुमार, कामना गौतम, दीपा साकेत, रानी साकेत आदि उपस्थित रहे।

गुरुकुल संकुल में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन

दीनदयाल शोध संस्थान के जो भी सेवा कार्य हैं वे प्रेरक का काम करें – अभय महाजन

> अभय महाजन ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान के जो भी सेवा कार्य हैं वे प्रेरक का काम करें यह दीनदयाल शोध संस्थान के प्रत्येक कार्यकर्ता के मन में होना चाहिए। नानाजी के मन में गांवों के प्रति कितना समर्पण का भाव था उन्होंने पीडित उपेक्षित गांव वासियों की सेवा का संकल्प स्वप्रेरणा से लिया।

चित्रकूट / दीनदयाल शोध संस्थान के शैक्षणिक प्रकल्प गुरुकुल संकुल चित्रकूट में कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के प्रभारी कालका प्रसाद श्रीवास्तव, समाज शिल्पी प्रभारी दक्षिणी क्षेत्र राजेंद्र सिंह, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री पद्माकर मालवीय एवं उप महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन की अवधारणा रखते हुए समाज शिल्पी दंपति प्रभारी श्री राजेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ता का शाब्दिक अर्थ बताते हुए कहा कि कार्यकर्ता यानि काम करने वाला, काम शारीरिक श्रम एवं मानसिक श्रम दोनों से है। एक ऐसा कार्यकर्ता जो तन-मन के साथ पूर्ण निष्ठा से जो भी दायित्व उसको दिया जाता है उसको पूरा करने में लगता है।

वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री पद्माकर मालवीय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के जीवन दर्शन को सभी के समक्ष रखा।

डीआरआई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान के जो भी सेवा कार्य हैं वे प्रेरक का काम करें यह दीनदयाल शोध संस्थान के प्रत्येक कार्यकर्ता के मन में होना चाहिए। नानाजी के मन में गांवों के प्रति कितना समर्पण का भाव था उन्होंने पीड़ित उपेक्षित गांव वासियों की सेवा का संकल्प स्वप्रेरणा से लिया। वे पूरे देश के कल्याण की बात करते थे तथा ग्रामवासियों की पहल एवं पुरुषार्थ से ही अनुकरणीय काम खड़ा करने की दृष्टि से ही उस अनुकूल उन्होंने प्रयोगशाला के तौर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन के प्रकल्प खड़ा किये।

नानाजी ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ऐसे कार्यकर्ता थे जिन्होंने कहा कि मुझे समाज कार्य के लिये केवल पुरुष कार्यकर्ता ही नहीं वरन् सम्पूर्ण परिवार कार्य के लिये चाहिए। इसी कल्पना को साकार करने के लिये उन्होंने समाज शिल्पी दम्पति योजना का शुभारंभ किया।

कार्यकर्ता परिवार सम्मेलन के अन्त में सभी कार्यकर्ता परिवारों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गुरुकुल संकुल के व्यवस्थापक दशरथ प्रजापति ने बताया कि इस सम्मेलन में सभी कार्यकर्ता एवं उनके परिवारों की सराहनीय उपस्थिति रही है। सभी के सामूहिक सहभोज के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

शैक्षणिक प्रकल्पों की अंतर शालेय खेलकूद प्रतियोगिता दीनदयाल परिसर में आयोजित

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित शैक्षणिक प्रकल्पों की अंतर शालेय खेलकूद प्रतियोगिता दीनदयाल परिसर में सम्पन्न कराई गयी। सभी छात्र/छात्राओं को अलग अलग ग्रुपों में विभाजित किया गया एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं कबड्डी, दौड़, खो-खो, गोला फेंक, ऊंची कूद सहित कई मनोरंजनात्मक खेल संपन्न कराए गये। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन की गौरवमयी उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि एक समय कहा जाता था कि खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब लेकिन अब इसकी परिभाषा बदल गई है अब खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नवाब कहा जाता है। उन्होंने कहा कि हम सबको खेल अच्छी भावना व स्वस्थ मानसिकता से खेलना चाहिए।

राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऊंचा लक्ष्य रखकर देश के लिए खेलने और ओलंपिक तक खेलने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस खेलकूद प्रतियोगिता में सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय चित्रकूट, रामनाथ आश्रम शाला चित्रकूट तथा कृष्णा देवी वनवासी बालिका विद्यालय मझगवां के प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

उद्घाटन अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संकुल प्राचार्य योगेश चंद्र मिश्रा, संकुल उप प्राचार्य के के बाजपेई, विद्यालय के सचिव डॉ अशोक पांडेय, सीएम राइस स्कूल मझगवां प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद उपाध्याय, शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र के प्रभारी कालिका प्रसाद श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता अशोक दीक्षित ने किया। सुरेन्द्रपाल विद्यालय के प्राचार्य मदन तिवारी ने बताया कि अंतर शालेय खेलकूद प्रतियोगिता बच्चों में सामूहिकता और सहयोग की भावना को जन्म देती है। प्रधानाचार्य अंशुमान पाठक ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुति की।

कृषि विज्ञान केंद्र चित्रकूट में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार करने वैज्ञानिकों ने साझा किये सुझाव

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, गनीवां, चित्रकूट में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 32 वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा किये जाने वाले तकनीकी कार्यों को समिति के सदस्यों के साथ साझा कर उनके सुझावों के साथ जिले में कृषि विकास की नवीन कार्ययोजना तैयार की जाती है। इस बैठक के सदस्य के रूप में जिले के सभी संबंधित विभागों के विभाग प्रमुख, प्रगतिशील किसान सदस्य होते हैं साथ ही जिले के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य प्रमुख अधिकारी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित होते हैं।

बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक कमला शंकर शुक्ल के द्वारा प्रस्तावना एवं गत वर्ष का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया साथ ही गत वर्ष समिति के सदस्यों के द्वारा दिए सुझावों के सन्दर्भ में किये गए तकनीकी कार्यों का क्रियान्वयन का विधिवत एवं केंद्र के द्वारा किये गए महत्वपूर्ण कार्यों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया।

इसके पश्चात केंद्र के सस्य वैज्ञानिक श्री विजय गौतम, मत्स्य एवं मृदा वैज्ञानिक श्री कमलाशंकर शुक्ल, पशु चिकित्सक डॉ. दीपेंश भारत मिश्र, प्रसार वैज्ञानिक श्री उत्तम त्रिपाठी, डॉ. सतीश पाठक, डॉ. मनोज शर्मा के द्वारा आगामी वर्ष 2024 की प्रगति आख्या का विभागवार प्रस्तुतिकरण किया। जिसमें विषय विशेषज्ञों के द्वारा किये जाने वाले सहभागी परीक्षण, प्रशिक्षण, प्रसार गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया। तत्पश्चात चर्चा सत्र में सभी विभाग प्रमुखों के द्वारा अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए जिनको केंद्र के कार्यकर्ताओं के द्वारा पंजीकृत किया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.

राजेंद्र सिंह नेगी द्वारा अगले वर्ष की जाने वाली विशेष प्रयोगों की रुप रेखा सभी के समक्ष प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अमृतपाल कौर मुख्य विकास अधिकारी चित्रकूट ने कहा कि तालाबों के हितग्राहियों द्वारा मछलीपालन, मोती पालन के परिणामों का प्रदर्शन भी आँकड़ों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। सभी को प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के लिए स्वयं से शुरुआत करनी चाहिए, ग्रामसभाओं में संचालित गोशालाओं में उपलब्ध गाय का गोबर कृषक भाई न्यूनतम दर पर वहाँ से ले सकते हैं जिसका उपयोग खेती के लिए किया जा सकता है जो भूमि की उर्वरता के लिए बेहतर होगी। संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्य अनुकरणीय हैं जहाँ भी प्रशासन के सहयोग की आवश्यकता होगी हम सदैव तत्पर है।

डॉ. शांतनु दुबे (तकनीकी विशेषज्ञ) निदेशक अटारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि जिले में गठित कृषक उत्पादन संगठन के विकास एवं क्षमतावर्धन करने हेतु नाबार्ड के प्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए, साथ ही जिले में उपलब्ध वनोपज के प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के कार्य किये जाने के सुझाव दिया गया साथ ही दुग्ध प्रसंस्करण, जल एवम मृदा संरक्षण एवम हमारी कृषि तकनीकी किसानों को तात्कालिक कितना लाभ देती है एक किसान से दूसरे किसान तक उस तकनीकी की पहुंच कितनी है एवं हमारी तकनीकी से रकबे में बढोत्तरी हो रही है या नहीं इसका भी आँकलन आवश्यक है। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रऋषि नाना जी ने कृषि विज्ञान केंद्र के इस सुदूर क्षेत्र में स्थापना किसानों के विकास के लिए ही की थी नानाजी ने ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना को साकार किया है। राष्ट्र निर्माण की पहली धुरी हमारा अन्नदाता किसान ही है।

कार्यक्रम के अतिथि डॉ. एन. के. वाजपेयी प्रसार निदेशक कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बाँदा ने कहा की कृषि विज्ञान केंद्र को जैविक खेती करने और किसानों को तरल खाद के उपयोग के लिए प्रेरित करने को कहा साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध गोबर को वर्मी कम्पोस्ट बनाने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केन्द्रों को बुन्देलखण्ड (स्थानीय एवं परंपरागत) आधारित किस्मों एवं तकनीकी का उपयोग करना चाहिए जिससे किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होगा, दलहन एवं तिलहन आधारित बीज उत्पादन की अधिक आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन ने कहा हमको किसानों को संसाधन आधारित खेती करने के लिए प्रेरित किया साथ ही सभी विभाग प्रमुखों से मिले सुझावों को केंद्र के कार्यकर्ताओं द्वारा पंजीकृत करने एवं उन पर आवश्यक कार्यवाही करने एवम साथ ही विषमुक्त खेती करने के लिए कहा गया साथ ही उन्होंने यह भी स्मरण दिलाया कि नाना जी सदैव कहते थे कि स्थानीय समाज की पहल पुरुषार्थ एवं सहभागिता तथा उनकी आवश्यकता के अनुरूप किया गया कार्य ही स्थायी होता है।

इस अवसर पर डॉ. शिवशंकर सिंह, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, उप निदेशक कृषि, श्री राजकुमार, श्री तुलसी राम प्रजापति भूमि संरक्षण अधिकारी, डॉ. सुभाष चन्द्र मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य कु भानु चन्दा, श्री महेंद्र पटेल महिला एवं बाल विकास अधिकारी, डॉ. अखिलेश जागरे वैज्ञानिक एवं कार्यकारी प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां सतना, अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान, कृषक घनश्याम शुक्ला, लवकुश साहू, संजय सिंह, रामप्रताप सिंह, बिट्टन देवी, फुला देवी सहित केंद्र के वैज्ञानिक, कार्यकर्त्ता सहित जिले के सभी संबधित विभाग प्रमुख/ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उद्यमिता विद्यापीठ में केव्हीआईसी के प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से किशोरियों को कराया अवगत

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार संवर्धन के लिए किशोरियों को किया गया प्रेरित

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान के प्रकल्प उद्यमिता विद्यापीठ में चित्रकूट जनपद के पहाड़ी क्षेत्र की किशोरियों को दीनदयाल परिसर उद्यमिता विद्यापीठ का भ्रमण कराया गया। उल्लेखनीय है कि दीनदयाल शोध संस्थान का उद्यमिता विद्यापीठ नामक प्रकल्प न केवल चित्रकूट क्षेत्र के लिए, बल्कि प्रदेश व देश के लिए बहुमूल्य संसाधन है। यहाँ प्रत्यक्ष मॉडल देखकर उद्यम इकाइयों की कल्पना स्पष्ट होती है।

किशोरियों के भ्रमण पश्चात् चर्चा सत्र में उद्यमिता विद्यापीठ प्रभारी श्री मनोज सैनी द्वारा बताया गया कि आर्थिक जरुरतों का ठीक तरह से पूरा होना न केवल परिवार की शांति के लिए बल्कि देश के विकास के लिये भी अनिवार्य है। इस हेतु सरकार द्वारा अन्यान्य विभागों, एजेंसियों और योजनाओं के माध्यम से चहुँमुखी प्रयास किये जा रहे हैं। एक ओर जनशक्ति को प्रशिक्षित करना दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण व संवर्धन करना, तीसरी ओर तत्संबंधी स्किल की पहचान कर, उसके मॉडल यूनिट्स तैयार करना, यह अत्यंत ही चुनौतीपूर्ण कार्य पूज्य नानाजी देशमुख की समग्र दृष्टि से चित्रकूट में प्रत्यक्ष देखने को मिलता है।

उद्यमी बनने के पूर्व अपनी समझ को स्पष्ट करने में उद्यमिता विद्यापीठ की फल एवं प्रसंस्करण इकाई, बेकरी इकाई, सिलाई इकाई, आटा निर्माण इकाई, तेलघानी यूनिट, स्क्रीन प्रिंटिंग इकाई आदि का भ्रमण कर किशोरियों ने बहुत सारी जिज्ञासायें रखीं। उद्यमिता विद्यापीठ अंतर्गत संचालित आई. टी.आई. व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के

अलावा खादी ग्रामोद्योग आयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली।

गौरतलब है कि 1994 से यहाँ उत्पादन इकाइयों की क्रमशः स्थापना हुई, जिसमें अधिकांश कारीगर इसी क्षेत्र के हैं और उद्यमिता विद्यापीठ में ही प्रशिक्षण लेकर आज स्वयं प्रशिक्षक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

वक्ता के रूप में उपस्थित पूर्व कार्यकर्ता श्रीमती मनीषा माथनकर ने बताया कि दीनदयाल शोध संस्थान में कार्यरत् अनेक लोगों ने पूज्य नानाजी देशमुख के विचारों को सुनकर समग्र विकास संबंधी विजन बनाया और आज अनेक संगठनों व स्थानों पर इस विचार को क्रियान्वित किया है।

किशोरावस्था सीखने व दृष्टि निर्माण करके निर्णय लेने की सही अवस्था है। इसलिए अपने क्षेत्र के बच्चों को ऐसे प्रयोग अवश्य दिखाने चाहिए। दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा स्वावलंबन अभियान की योजना चलाई जा रही है, जिसमें उद्यमिता विद्यापीठ सहित अन्य प्रकल्पों के भी कार्यकर्ता गाँव गाँव में प्रत्यक्ष संपर्क हेतु जाते व जन जागरुकता कार्यक्रम करते हैं। यह पद्धति ग्राम पंचायत स्तर पर भी लागू की जा सकती है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के बारे में श्री मनोज सैनी द्वारा विस्तार से बताया गया। श्री सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत सबसे ज्यादा अनुदान महिला उद्यमी के लिए है। जितनी प्रोजेक्ट लागत है उसमें उनका जो अंशदान लगा है वह पाँच प्रतिशत है। यदि महिलाएँ शहरी इलाके में उद्योग लगाती हैं तो अनुदान 25% मिलेगा और यदि इस उद्योग को ग्रामीण इलाके में लगाया जाए तो 35 परसेंट अनुदान दिया जाएगा।

भारत सरकार महिलाओं को प्रोत्साहन देने के लिए इस योजना का संचालन कर रही है।

श्रीमती मनीषा माथनकर ने बताया कि सफल उद्यमी बनने के लिए दैनिक जीवन में अच्छी आदतों को शामिल करते रहना चाहिए और एकाग्रता बढ़ाने की कोशिश करना चाहिए। अच्छी बातों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना भी जरुरी है। जिसमें किशोरियों की बहुत बड़ी भूमिका है।

कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

कृषि वैज्ञानिकों सहित प्रगतिशील किसानों ने दिए अपने सुझाव

मझगवां/ दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र, मझगवां, सतना की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक डॉ. सतीश कुमार एस कलेक्टर सतना के मुख्य आतिथ्य एवं श्री अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक के शुभारंभ अवसर पर गत वर्ष की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में प्राप्त सुझावों पर की गई कार्यवाही, प्रगति एवं कार्ययोजना वर्ष 2025 की आकर्षक प्रस्तुति कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी-वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अखिलेश कुमार जागरे द्वारा की गई।

इस दौरान योगेश ताम्रकार, महापौर, सतना ने कहा कि पराली प्रबंधन तकनीक स्ट्रा रोलर को बढ़ावा दिया जाय और सोलर फेंसिंग के कार्य को बढ़ावा दिया जाय। प्रत्येक ब्लाक से 5-10 किसानों का चयन कर नवाचार तकनीकों का प्रदर्शन करना चाहिए जिनके यहाँ

देखकर किसान अधिक लाभ कमा सके।

श्री रामखेलावन कोल जिला पंचायत अध्यक्ष सतना ने कहा किमेढ़ पर फळदार पौध जैसे कटहल का रोपण किया जाये, ज्वार अरहर कोदो एक साथ लगाने को बढ़ावा मिले।

राजेश त्रिपाठी, परियोजना संचालक, आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, सतना ने कहा कि दलहन एवं तिलहन को बढ़ावा दिया जाए।

श्रीमती संजना जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सतना ने फिशरीज के जल को प्लान करके उसका उपयोग फसल में किया जाने पर जोर दिया।

डॉ. अंजना सिंह, उप संचालक, मत्स्य विभाग, सतना ने अपने सुझाव में कहा कि मछली पालन को बढ़ावा देने हेतु मत्स्य विभाग, सतना से समन्वय किया जाए।

इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार एस, कलेक्टर, सतना ने कहा कि प्रगतिशील किसानों की सूची तैयार कर उनकी पद्धति क्षेत्र और जिले में प्रसारित की जाए।

बैठक पश्चात् सभी सदस्यों को जीवंत इकाइयों का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रसार वैज्ञानिक पंकज शर्मा द्वारा किया गया।

मध्य प्रदेश में सतत विकास के लक्ष्य केंद्रित स्वावलंबी और आत्मनिर्भर ग्राम की अवधारणा और क्रियान्वयन पर दो दिवसीय कार्यशाला

सामूहिक प्रयत्न से समृद्धि के सभी मानकों को पूरा करते हुए आत्मनिर्भर एवं आदर्श मध्य प्रदेश बनाएंगे – उप मुख्यमंत्री शुक्ल

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला दीनदयाल परिसर के बालकला भवन में मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, अध्यक्षता श्री मोहन नागर उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विशिष्ट अतिथि श्री अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान, श्री धीरेंद्र कुमार पाण्डेय कार्यपालक निदेशक म.प्र. जन अभियान परिषद, श्री वसन्त पण्डित कोषाध्यक्ष डीआरआई द्वारा महापुरुषों के चित्रों पर दीपप्रज्वलन एवं माल्यार्पण द्वारा किया गया।

सर्वप्रथम श्री धीरेंद्र कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए जन अभियान परिषद की स्थापना से लेकर अब तक सम्पन्न किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के 23051 ग्राम पंचायतों में 24492 प्रस्फुटन समितियों के गठन का कार्य किया गया है। 15 जुलाई से सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति के उद्देश्य से स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर ग्राम के

लिए प्रत्येक ब्लॉक में एक मॉडल विलेज की स्थापना के लिए दीनदयाल शोध संस्थान के साथ एमओयू हुआ है। जिसमें समाजशिल्पी दम्पतियों के सहयोग से कार्य करेंगे।

श्री मोहन नागर ने कहा कि परिषद समाज, संगठन और सरकार के बीच सेतु है। गांव में जो भारत है, उसके सतत विकास के लिये हम सभी को मिलजुल कर काम करना है। मध्य प्रदेश जन-अभियान परिषद लोक मंगल के कार्यों के लिये समर्पित है जो शासन-प्रशासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक पहुँचाने का काम कर रहा है।

श्री अभय महाजन संगठन सचिव दीनदयाल शोध संस्थान ने कहा कि राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख कहते थे कि भारतीय गाँव की मुख्य शक्ति और उनकी विशेषता स्वावलंबन ही रहा है। हजारों साल की गुलामी के बावजूद भारतीय समाज ने अपने सांस्कृतिक स्वरूप और मूल्यों को गाँवों के स्वावलंबन के आधार पर ही जीवित बनाए रखा है। संस्थान के ग्रामीण स्वावलंबन का मुख्य आधार समाजशिल्पी दम्पति हैं, जो ग्राम विकास के कार्यों में उत्प्रेरक का कार्य करते हैं। समाज में रहकर नित अभिनव प्रयोग कर समाज को जाग्रत करना जिससे वे स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनने में सहभागी बनें। आप सभी पहले कार्य को देखें फिर उसे समझें तत्पश्चात उसे अपने जीवन में उतारें। नाना जी सदैव कहते थे कि जनता की पहल

पुरूषार्थ एवं सहभागिता से किया गया कार्य सदैव स्थायी होता है।

श्री राजेन्द्र शुक्ल उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा में विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने की पद्धति रही है। अब हम अनुकूल परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं क्योंकि बिगड़ी हुई व्यवस्थाओं को सुधारने का संकल्प हमारा है। यदि मूलभुत सुविधाओं (शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अच्छी सड़कें, 24 घण्टे बिजली की उपलब्धता सिंचाई के लिए पर्याप्त जल) को ग्रामीण स्तर पर मजबूत न किया गया होता तो आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी आदर्श ग्राम नहीं बना पाते। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वावलंबी ग्राम की व्यवस्था को सशक्त करने के प्रयासों से ग्रामीण जीवन अधिक सुविधाजनक हो रहा है और ग्रामीणों को प्रगति के भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा हर घर में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन संचालित है तथा हर खेत में सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था के उद्देश्य से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार पूरे प्रदेश में प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में नर्मदा घाटी विकास के परिणाम सबके सामने हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को धनराशि उपलब्ध कराई गई हैं। कालीसिंध-पार्वती और चंबल लिंक परियोजना की गतिविधियां आरंभ हो रही हैं। प्रदेश में पहले सिंचाई का रकबा 7 लाख हेक्टेयर था हमारी सरकार ने प्रयास करके 50 लाख हेक्टेयर तक किया है। भविष्य में इसे 1 करोड़ हेक्टेयर तक करने की योजना है। सिंचित रकबा बढ़ने से किसानों का भी आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है। सरकारें योजनाएं बना सकती हैं संसाधन उपलब्ध करा सकती हैं किंतु योजनाओं का सही क्रियान्वयन हो और धरातल पर उसका उचित क्रियान्वयन हो इसके लिये जन अभियान परिषद एवं उसके कार्यकर्ता लगे हुए हैं। आर्थिक अनुशासन से देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है। हम सभी सामूहिक प्रयत्न से समृद्धि के सभी मानकों को पूरा करेंगे और उत्तम, आत्मनिर्भर एवं आदर्श मध्य प्रदेश बनाएंगे। श्री वसन्त पण्डित, कोषाध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा सतत विकास लक्ष्य केंद्रित स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर ग्राम हेतु किये जा रहे ग्रामीण विकास के मॉडल का प्रस्तुतिकरण किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन जन अभियान परिषद के निदेशक सेल डॉ. वीरेंद्र व्यास ने किया तो वही धन्यवाद ज्ञापन अमिताभ श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के सम्भाग, जिला, ब्लाक समन्वयक के साथ-साथ दीनदयाल शोध संस्थान के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा पुणे में आयोजित ऑल इंडिया प्रिंसिपल कॉन्फ्रेंस में दीनदयाल शोध संस्थान को मिला बेस्ट परफॉरमेंस अवार्ड 2025

नॉन डिपार्टमेंटल ट्रेनिंग में कौशल विकास के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए दिया गया सम्मान

चित्रकूट/ उद्यमिता विद्यापीठ चित्रकूट को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा पुणे में आयोजित ऑल इंडिया प्रिंसिपल कॉन्फ्रेंस में कौशल विकास के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग खादी विकास एवं ग्रामोद्योग विकास के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जो स्वरोजगार को बढ़ावा देते हैं। दीनदयाल शोध संस्थान विभिन्न ट्रेडों में लोगों को प्रशिक्षित कर उन्हें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना से जोड़ने का कार्य कर रहा है।

पुणे महाराष्ट्र में आयोजित ऑल इंडिया प्रिंसिपल कॉन्फ्रेंस में पिछले 5 वर्षों के प्रस्तुतीकरण के उपरांत दीनदयाल शोध संस्थान को नॉन डिपार्टमेंटल ट्रेनिंग सेंटर के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। खादी ग्रामोद्योग आयोग की निदेशक सुश्री प्रणिता आर ताम्हाने, उप निदेशक श्री निवास राव, उप निदेशक श्री सेंटिल कुमार द्वारा यह पुरस्कार

प्रदान किया गया। जिसे दीनदयाल शोध संस्थान के खादी ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य मनोज सैनी ने ग्रहण किया।

इस उपलब्धि में केंद्रीय स्तर पर आयोग की टीम एवं राज्य स्तर पर भोपाल के उपनिदेशक श्री विनीत कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। कान्फ्रेन्स में देश भर से पधारे सभी अधिकारियों ने दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित इस विशेष कार्यक्रम की उपलब्धि हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी।

दीनदयाल शोध संस्थान इन कार्यक्रमों के तहत विभिन्न ट्रेडों में लोगों को प्रशिक्षित कर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) से जोड़ने का कार्य कर रहा है। पिछले 5 वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर संस्थान को नॉन डिपार्टमेंटल ट्रेनिंग सेंटर ट्रेनिंग में सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। दीनदयाल संस्थान के संगठन सचिव श्री अभय महाजन और उनकी पूरी टीम की समर्पित मेहनत से यह सफलता संभव हुई है। दीनदयाल शोध संस्थान के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास और स्वावलंबन को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुधार करने में मदद मिल रही है।

प्रिज्म जॉनसन कंपनी रीवा में दीनदयाल आईटीआई के छात्रों का हुआ शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण

प्रिज्म के सीमेंट प्लांट में छात्रों को प्रोडक्शन एवं तकनीकी पक्षों से कराया रुबरु

चित्रकूट/ दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट द्वारा संचालित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र (आईटीआई) के इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर के 100 छात्रों ने शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण के तहत सतना की प्रिज्म जॉनसन कंपनी मनकहरी, रीवा प्लांट का अवलोकन किया। साथ ही वहां पर किस प्रकार से काम किया जाता है उसको बारिकी से समझा।

प्रशिक्षणार्थियों को अध्ययन व शोध कार्य हेतु प्रथम व अंतिम वर्ष में नजदीकी उद्योगों व कार्यशालाओं में औद्योगिक भ्रमण की व्यवस्था की जाती है। दीनदयाल आईटीआई के इन सभी छात्रों को दीनदयाल परिसर से प्राचार्य श्री संजय दुबे, कोपा ट्रेड के प्रशिक्षक श्री छोटेलाल तथा फैकल्टी द्वारा ग्रुप फोटो के साथ शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण के लिए रवाना किया गया।

प्रिज्म जॉनसन कंपनी का भ्रमण जॉनसन कंपनी के एच आर राजेश कुमार और सीनियर इंजीनियर संतोष जी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सीमेंट प्लांट प्रोडक्शन से लेकर सीमेंट बनने तक का पूरा कार्य समझाया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों को निर्माण प्रक्रिया को दिखाया व समझाया गया।

सीमेंट प्लांट में मांइस, रॉ मिल, प्री हीटर, क्लिंजर, सीसीआर, क्वालिटी लैब, पैकेजिंग प्लांट इन सबकी जानकारी दी गई। भ्रमण के अंत में कम्पनी के अधिकारियों ने छात्रों की जिज्ञासा को सुना और समाधान किया तथा सभी बच्चों को देश के निर्माण में योगदान देने तथा अपने माता-पिता को सम्मान दिलाने की शुभकामनाएं दी।

औद्योगिक भ्रमण में दीनदयाल आईटीआई के प्राचार्य श्री संजय दुबे ने बताया कि यह औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी रहा, वहां सीमेंट के निर्माण को क्रम से छात्रों को दिखाया व समझाया गया। भ्रमण के माध्यम से छात्र वहां की कार्यप्रणाली को गहराई से समझे। सभी विद्यार्थी भ्रमण पश्चात् वहां मिली जानकारियों से संतुष्ट हुए। ज्ञातव्य हो कि मध्य प्रदेश के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में भारत रत्न नानाजी देशमुख के दीनदयाल शोध संस्थान का औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र सर्वोत्तम स्थान पर है। चित्रकूट के दीनदयाल आईटीआई को 4 स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है।

दीनदयाल प्राईवेट आईटीआई प्रतिवर्ष अपने छात्रों को राज्य भर में क्रियाशील विभिन्न उद्योगों का शैक्षणिक भ्रमण प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को कराती है ताकि विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी हो। शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण के दौरान दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र इलैक्ट्रीशियन के प्रशिक्षण अधिकारी श्री रीतेश गुप्ता, फिटर के प्रशिक्षक श्री नरेन्द्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दीनदयाल शोध संस्थान में मनाई गई पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की 57वीं पुण्यतिथि

डीआरआई के शैक्षणिक प्रकल्पों में 'एकात्म मानववाद' का दर्शन पर हुई व्याख्यानमाला

चित्रकूट 11 फरवरी 2025/ दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की 57 वीं पुण्यतिथि समारोह के रूप में मनाई गई। प्रातःकाल से ही संस्थान के विविध प्रकल्प गुरुकुल संकुल, उद्यमिता विद्यापीठ, सुरेन्द्रपॉल ग्रामोदय विद्यालय, आरोग्यधाम, आईटीआई तथा खादी ग्रामोद्योग आयोग प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थी एवं बच्चों तथा कार्यकर्ताओं द्वारा अपने-अपने प्रकल्पों में दीनदयाल जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये गये तथा कार्यकर्ताओं एवं बच्चों द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंगों को दैनिक जीवन में आत्मसात करने हेतु मंचन भी किया गया।

आरोग्यधाम एवं उद्यमिता विद्यापीठ के सभागार में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वक्ताओं ने कहा कि नानाजी द्वारा दीनदयाल स्मारक समिति से लेकर दीनदयाल शोध संस्थान की स्थापना तक के सफर में दीनदयाल जी के एकात्म मानवदर्शन को व्यावहारिक रूप में धरातल में उतारने का कार्य सामूहिक पुरुषार्थ से कराकर दिखा दिया कि कोई अकेला व्यक्ति या संगठन विकास की प्रतिमा न दिखे बल्कि जनता स्वयं विकास की वाहक बनें। उनका दृष्टिकोण था कि इसमें केवल नाममात्र की भागीदारी प्रक्रिया नहीं होना चाहिये बल्कि ऐसी हो जिसमें लोगों के लिये लोग हों! वे खुद पहल करें, पुरुषार्थ करें, और विकास की प्रक्रिया के सतत् भागीदार बनें।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि समाजवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद व्यक्ति के एकांगी विकास की बात करते हैं, जबकि व्यक्ति की समग्र जरूरतों का मूल्यांकन किए बिना कोई भी विचार भारत के विकास के अनुकूल नहीं होगा। उन्होंने भारतीयता के अनुकूल पूर्ण भारतीय चिन्तन के रूप में 'एकात्म मानववाद' का दर्शन प्रस्तुत किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन के अनेक पक्ष, कई आयाम और अनेक कार्य हैं। कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कहने वाले पंडितजी की जिंदगी से जुड़े अनेक किस्से हैं, जो काफी दिलचस्प होने के साथ-साथ प्रेरणा भी देते हैं। 11 फरवरी 1968 को मात्र 51 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहने वाले पंडितजी की ईमानदारी, सादगी और दर्शन आज भी लोगों को सीख देते हैं।

दीनदयाल शोध संस्थान के सभी स्वावलंबन ग्रामीण केंद्रों पर भी दीनदयाल जी की पुण्यतिथि मनाई गई। कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां, गनीवां सहित आवासीय शैक्षणिक प्रकल्प रामनाथ आश्रमशाला पीली कोठी, कृष्णा देवी वनवासी बालिका आवासीय विद्यालय मझगवां, परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय गनीवां तथा जन शिक्षण संस्थान में पंडित दीनदयाल जी के 'एकात्म मानववाद' का दर्शन पर व्याख्यानमाला आयोजित की गई।

भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर तीन दिवसीय समारोह

नानाजी की पुण्यतिथि पर चित्रकूट के दीनदयाल परिसर में 5 स्थानों पर हुए सेमिनार, कार्यशाला एवं सम्मेलन
कई विश्वविद्यालयों के कुलपति और सामाजिक संस्थाओं से ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ रहे मौजूद
नानाजी ने सारे आकर्षणों को छोड़कर त्यागमुक्त जीवन के साथ विकास का भारतीय मॉडल खड़ा किया – शिवप्रकाश जी

चित्रकूट / भारत रत्न नानाजी देशमुख के निर्वाण के 15 वर्ष पूर्ण होने पर उनकी 15वीं पुण्यतिथि पर 25, 26 एवं 27 फरवरी को दीनदयाल परिसर के लोहिया सभागार एवं विवेकानंद सभागार में पांच अलग-अलग राष्ट्रीय सम्मेलन व संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसका सामूहिक उद्घाटन सत्र 25 फरवरी को विवेकानन्द सभागार में भाजपा के अखिल भारतीय सह संगठन महामंत्री श्री शिव प्रकाश जी, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री दिनकर सबनीस जी, मध्य प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं देव तालाब से विधायक श्री गिरीश गौतम, सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, पदमश्री डॉ. बी के जैन, मध्य प्रदेश शासन की पूर्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, पूर्व मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक सीधी श्रीमती रीति पाठक, विधायक चित्रकूट श्री सुरेन्द्र सिंह गहरवार, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डॉ. एके सिंह, जनजातीय हितरक्षा आयाम के संरक्षक श्री गिरीश कुबेर, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा, दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन आदि विद्वत जनों के आतिथ्य में किया गया।

उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के महाप्रबंधक श्री अमिताभ वशिष्ठ ने तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में पदमश्री डॉ. बी के जैन ने नानाजी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नाना जी का जो सपना था अंतिम छोर के व्यक्ति का उत्थान और विकास वह तभी पूर्ण होगा जब देश का हर एक नागरिक उसे अपना

कर्तव्य मानकर अपना योगदान देगा। सुश्री उषा ठाकुर ने नाना जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताएं मार्ग पर अनुसरण करने की बात कही।

अपने मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिव प्रकाश जी ने कहा कि समाज जीवन में काम करने वाले सभी लोगों के लिए श्रद्धेय नाना जी का जीवन प्रेरणा स्रोत रहा है। संपूर्ण देश के अंदर विद्या भारती का बीजारोपण करने वाले नाना जी थे, देश का पहला शिशु मंदिर गोरखपुर में नानाजी ने शुरू किया। नानाजी ने सारे आकर्षणों को छोड़कर त्यागमुक्त जीवन के मार्ग पर चलकर लोकशक्ति के जागरण के लिए पंडित दीनदयाल जी के एकात्म दर्शन को व्यावहारिक रूप में समग्र दृष्टिकोण के साथ विकास का भारतीय मॉडल गोंडा और चित्रकूट से काम शुरू करके दिखाया। दिल्ली की चकाचौंध छोड़कर नाना जी ने जयप्रभा ग्राम और चित्रकूट आकर जनजातीय समुदाय का साथ चुना। पानी की एक-एक बूंद को बचाने के लिए नानाजी ने जल संरक्षण का जो मॉडल तैयार किया उस मॉडल पर आज पूरे देश में काम करने की जरूरत है। यही सही मायने में विकास का भारतीय मॉडल है। नाना जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनका स्मरण करने का मतलब उनकी प्रतिभा, उनका संगठन कौशल, उनका त्यागमय जीवन

को जरा भी अपने जीवन में आत्मसात कर सकें तो वही नानाजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन ने कहा कि नानाजी के पुण्यतिथि अवसर पर विभिन्न विषयों पर सेमिनार और संगोष्ठी के माध्यम से जो भी चर्चाएं हैं उसके आधार पर जो भी योजना बने वह देशानुकूल के साथ युगानुकूल भी रहे। उद्घाटन सत्र में कुलपति डॉ. एके सिंह एवं ग्राहक पंचायत के दिनकर जी ने भी अपनी बात रखी।

इस दौरान दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन, कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित और सचिव श्री राजेश महाजन के अलावा प्रबंध मंडल के सदस्य श्री राम अवतार बिंजराजका और नागपुर से सौ. अनुज ताई परचुरे भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र के बाद महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन हेतु ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के अवसर विषय पर सेमिनार के तकनीक सत्र जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर (कौशल विकास से स्टार्टअप तक) विषय पर डॉ. अनुपमा मिश्रा प्राध्यापक एवं अध्यक्ष परिधान डिजाइनिंग विभाग केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल का मार्गदर्शन मिला। उसके बाद महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन हेतु ग्रामीण स्तर पर स्व रोजगार के अवसर विषय पर प्रो. इंदिरा सरंग्थेम, निदेशक, अनुदेश (इंस्ट्रक्शन), केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल ने अपनी बात रखी। डिजिटल साक्षरता एवं उद्यमिता - डिजिटल उपकरणों का उपयोग, ऑनलाइन मार्केटिंग, सोशल मीडिया का उपयोग, ई-कोमर्स प्लेटफार्म पर उत्पाद सूचीबद्ध करना, डिजिटल भुगतान विधियों के सत्र में प्रो. आशीष पाण्डेय, आईआईटी, खड़गपुर ने

प्रतिभागियों को विस्तार से समझाया। क्रमशः आयोजित तकनीकी सत्र के अन्तर्गत हस्तशिल्प और हथकरघा उद्योग- पारम्परिक कौशल का आधुनिकीकरण, नए डिजाईन, ऑनलाइन बाज़ार, हस्तशिल्प उत्पादों का डिजिटल कैटलॉग, फैशन डिजाईनिंग, ई-कोमर्स प्लेटफार्म के बारे में श्री संदीप कुमार कैशस्वाली उपायुक्त, रोजगार श्री ओमप्रकाश मिश्रा, उपायुक्त स्वतः रोजगार ने विस्तार से बात रखी। श्री अनुराम शर्मा प्रबंधक, अग्रणी बैंक कर्वी ने वित्तीय साक्षरता और ऋण सुविधाएँ- बैंकिंग प्रणाली, ऋण योजनाएं, बजटिंग, लेखा, सरकारी ऋण योजनाओं की जानकारी, बैंक खाता खोलना, व्यवसाय योजना के बारे में बताया। अंत में मुख्य वक्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट एवं धन्यवाद ज्ञापन दीनदयाल शोध संस्थान के सचिव श्री राजेश महाजन द्वारा किया गया।

उद्घाटन उपरांत सभी अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र सिंह नेगी ने बताया कि पोषक तत्वों का भंडार माने जाने वाले मोटे अनाज की खपत लगातार बढ़ती नजर आ रही है। लोग मोटे अनाज के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और इसे अपने आहार में शामिल कर रहे हैं। मोटे अनाज गेहूं और चावल की तुलना में सस्ते होने के

- पोषक अनाज "श्री अन्न" प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन
- प्रदर्शनी में केवीके सहित कृषक उत्पादक संगठन द्वारा तैयार उत्पादों का किया गया प्रदर्शन
- भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 15 वीं पुण्यतिथि पर दीनदयाल परिसर चित्रकूट में पोषक अनाज "श्री अन्न" प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

साथ-साथ उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन तथा आयरन आदि की उपस्थिति के चलते पोषण हेतु बेहतर आहार होते हैं।

इस प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां, गनीवां, रीवा, जबलपुर, मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल द्वारा संकटग्रस्त प्रजातियों के प्रदर्शन के साथ श्री अन्न के मूल्यवर्धित व जैविक कीटनाशकों का प्रदर्शन, मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद एवं जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट तथा उद्यमिता विद्यापीठ द्वारा आत्मनिर्भर तथा स्वावलम्बी बनाने हेतु संचालित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाये गए उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। कृषक उत्पादक संगठन के द्वारा तैयार उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री वन धन विकास केन्द्र योजनान्तर्गत मध्य प्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ, भोपाल द्वारा वन धन स्वयं सहायता समूहों के द्वारा निर्मित उत्पादों एवं विविध जानकारियों को एकत्र कर लोगों को जन जागरूक करने हेतु विशिष्ट प्रदर्शनी लगाई गई।

नानाजी की पुण्यतिथि पर दूसरे दिन हुए विविध कार्यक्रम

आधुनिक विज्ञान एवं स्वदेशी ज्ञान के साथ जनजातीय समुदायों के सतत विकास हेतु विद्वतजनों ने संगोष्ठी में रखे अपने विचार

आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी ग्राम के लिए एफपीओ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण – मंत्री प्रतिमा बागरी

चित्रकूट 26 फरवरी 2025/ भारतरत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में 26 फरवरी को दीनदयाल परिसर के लोहिया सभागार, विवेकानंद सभागार, अंबेडकर सभागार, जेपी सभागार में पांच अलग-अलग राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित की जा रही है। जिसमें आधुनिक विज्ञान एवं स्थानीय स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण- जनजातीय समुदायों के सतत विकास का मार्ग, बुन्देलखण्ड एवं बघेलखण्ड क्षेत्र में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की संभावनाएं, ग्रामों के स्वावलंबन में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका, महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन हेतु ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के अवसर, औषधीय पौधों एवं सुरक्षित पेयजल की उत्तम स्वास्थ्य में भूमिका विषय पर देशभर के विविध क्षेत्रों से पधारे विद्वत जनों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

आधुनिक विज्ञान एवं स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण-जनजातीय समुदायों के सतत विकास का मार्ग विषय पर संगोष्ठी का शुभारंभ विवेकानन्द सभागार दीनदयाल परिसर में डॉ. अनुपम मिश्रा कुलपति केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल, प्रो. लोकेश कुमार मिश्रा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल, श्री गिरीश कुबेर प्रमुख अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम हैदराबाद, डॉ. शान्तनु कुमार दुबे निदेशक कृषि तकनीकी अनुप्रयोग एवं अनुसन्धान संस्थान,

अंचल-3 कानपुर, उमाकांत उमराव प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन, दीपक खाण्डेकर अध्यक्ष जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन, मध्य प्रदेश द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्रो. लोकेश कुमार मिश्रा, केंद्रीय विश्वविद्यालय इंफाल ने कहा कि सारे सतत विकास लक्ष्यों की पूर्ति के साथ खाद्य प्रणाली की विविधता को बनाए रखा जाए। श्री गिरीश कुबेर ने कहा हैप्पीनेस इंडेक्स सबसे ज्यादा जनजाति समुदायों में दिखती है। परंपराएं आज भी जिंदा है, नई फसल की बुवाई एवं पैदा होने पर खेत की पूजा हो वही आनंद का उत्सव है। विकास करने वालों को पता होना चाहिए कि जनजाति की अस्मिता को ध्यान देना है। यह सामूहिक जीवन जीने वाले लोग हैं।

डॉ. शांतनु कुमार दुबे निदेशक अटारी कानपुर ने कहा कि किस तरह विकास के लिए उन्हें तैयार करना है इस पर वे कैसे सहयोगी बन सकते हैं इसे पूरा करने के लिए टीएसपी उपयोजना का शुभारंभ किया गया। यह एक सामुदायिक कार्य की प्रेरणा देता है। इस योजना के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता युक्त बीज, उद्योग, पशुपालन, मछली पालन एवं गृह उद्योग को स्थापित किया गया है, जिसका लाभ लेकर किसान विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। यह योजना हम सभी को एक दूसरे से जोड़ती है। श्री दीपक खांडेकर ने अनुसूचित जनजाति के हितार्थ योजनाओं एवं उसके उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। सरकार द्वारा जनजातियों के विकास के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही है जिसका लाभ हम सभी को लेना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अनुपम मिश्रा कुलपति केंद्रीय विश्वविद्यालय इंफाल ने कहा कि मानव जीवन में भोजन एक महत्वपूर्ण अंग है गांव की महिलाओं को यह जानकारी होती है कि कब क्या खाना है कौन सी दवा देना है गर्भवती को गर्भावस्था में कौन सा भोजन करना है बीमार है तो कौन सा भोजन करना है और खेती के देशज ज्ञान को विज्ञान से कैसे जोड़ा जाए इस पर जनजाति समुदायों को अच्छा ज्ञान होता है, जिसको विज्ञान से जोड़ने की आवश्यकता है। अंत में अपनी बात रखते हुए दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री वसंत पंडित ने कहा कि वन धन योजना एवं स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण बहुत ही आवश्यक है और इसकी समझ भी होनी चाहिए। वनवासियों के द्वारा तैयार उत्पादों का उचित मूल्य मिले तथा उनकी अर्थव्यवस्था में सुधार ही उसका उद्देश्य होना चाहिए। हमें अपने ज्ञान को संरक्षित रखना होगा तभी हम सफल हो पाएंगे।

महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन हेतु ग्रामीण स्तर पर रोजगार हेतु संगोष्ठी में 350 महिलाओं ने किया प्रतिभाग

दीनदयाल परिसर में ही स्थित जेपी सभागार में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार

द्वारा वित्तपोषित तथा दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन हेतु ग्रामीण स्तर पर रोजगार का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सुश्री ऊषा ठाकुर, पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन, डॉ. तनुषा अप्पा, सौ. अनुजा ताई परचुरे, डॉ. अनुपम मिश्रा प्राध्यापक एवं अध्यक्ष परिधान डिजाइनिंग विभाग, प्रो इंदिरा सरंगथेम निदेशक (अनुदेशक इंस्ट्रक्श), डॉ. नर्मदा हीडांगमयूम प्राध्यापक केंद्रीय विश्वविद्यालय इंफाल, डॉ. आशीष पाण्डेय आई आई टी रुड़की द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जन शिक्षण संस्थान द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने हेतु किये जा रहे कार्यों एवं उसके सकारात्मक परिणामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रो इंदिरा सरंगथेम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं की सामाजिक आर्थिक अवसरों में बढ़ोत्तरी एवं आजीविका, अधिकारों और लचीलेपन को सुरक्षित करने की दिशा में प्रगति को गति देना ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य है।

डॉ. अनुपमा मिश्रा ने कहा कि हम जो कार्य करते हैं वह हमारा कौशल है। समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उनको अतिरिक्त आय कैसे अर्जित हो जिससे वे सशक्त बनें इसके लिए हमें प्रयास करने होंगे। आप स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चे माल की प्रोसेसिंग करके उससे अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

डॉ. नर्मदा हीदांगमयूम ने कहा कि नव महिला उद्यमियों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें उनको परिवार से सहयोग न मिलना, निर्णय लेने की आज़ादी न होना, जोखिम लेने की क्षमता, जागरूकता, आत्मविश्वास, अनुभव

आदि की कमी होना।

प्रो. आशीष पाण्डेय ने कहा कि डिजिटल साक्षरता और उद्यमिता का मकसद लोगों को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके रोज़गार के अवसर बढ़ाने और आधुनिक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में सक्षम बनाना है। डिजिटल उद्यमिता से उत्पादों को बाज़ार में लाने, वितरित करने या बदलने में मदद मिलती है, साथ ही कम समय में ज्यादा लोगों तक पहुंच बनती है। इससे समय, श्रम और धन की बचत होती हैं।

डॉ. तनुषा अप्पा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए सबसे कारगर उपाय है उन्हें आर्थिक मजबूती देना। जब वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र होंगी तो वे अपने विचारों को मजबूरी से रख पाएंगी। नागपुर से सौ. अनुजा ताई परचुरे ने कहा कि आप सभी के अंदर अपार ऊर्जा विद्यमान है आवश्यकता सिर्फ उसे सकारात्मक दिशा में लगाकर आगे बढ़ने की, सफलता आपके कदम चूमेगी।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए सुश्री ऊषा ठाकुर पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वावलंबी होना नितांत आवश्यक है आप सभी मातृशक्तियाँ अपनी स्वयं की सामर्थ को पहचानिए। ईश्वर ने सबसे ज्यादा विश्वास मातृशक्ति पर किया है। हमारी जिम्मेदारी 2047 के स्वर्णिम भारत के निर्माण में अग्रणी है। हम भारतीय संस्कृति के पुजारी हैं सनातन संस्कारों एवं विचारों का समावेश स्वयं एवं परिवारों में करें। मातृशक्ति परमात्मा की प्रतिनिधि है। संतुलित आहार का प्रशिक्षण न होने से आज स्वास्थ्य खराब हो रहे हैं। इसको भी ठीक करने की आवश्यकता है। श्री अन्न हमारे जीवन का आधार है, पर्यावरण का संरक्षण संवर्धन भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और सबसे बड़ा विषय जल संरक्षण का है जिस पर हम सभी मातृशक्तियों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार सिंह निदेशक जन शिक्षण संस्थान द्वारा तो वहीं अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन श्री निखिल प्रभाकर मुण्डले कार्यकारी अध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में जिले की लगभग 350 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

बुंदेलखंड एवं बघेलखंड क्षेत्र में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु कृषक संगोष्ठी

संगोष्ठियों के ही अन्तर्गत लोहिया सभागार की दूसरे तल पर आयोजित बुंदेलखंड एवं बघेलखंड क्षेत्र में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु दो दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से हो रहे दुष्परिणामों से अवगत कराया गया एवं प्राकृतिक उत्पाद तैयार करके बाजार तक लाने के ऊपर चर्चा हुई। जिसमें प्राकृतिक उत्पाद, जैविक कीटनाशकों का उपयोग करके फसलों के उत्पादन को बढ़ाने की तकनीकियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री निखिल प्रभाकर मुण्डले कार्यकारी अध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा की गई। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. देवीदास पटेल वैज्ञानिक, डॉ. उमाशंकर मिश्रा विभागाध्यक्ष मृदा विज्ञान महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, डॉ. अजंता बिराह प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी अनुसूचित जाति उप परियोजना, डॉ. मुकेश सहगल निदेशक एनसीआईपीएम नई दिल्ली ने अपने विचार रखे।

ग्रामों के स्वावलंबन में कृषक उत्पादक संगठनों की भूमिका राष्ट्रीय संगोष्ठी

ग्रामों के स्वावलंबन में कृषक उत्पादक संगठनों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दीनदयाल परिसर के अम्बेडकर सभागार में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन की नगरीय विकास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, अध्यक्षता दीनदयाल शोध संस्थान के महाप्रबंधक श्री अमिताभ वशिष्ठ व विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एसआरके सिंह निदेशक अटारी जबलपुर, डॉ. सुशील कुमार

चतुर्वेदी निदेशक अनुसंधान सेवाएं रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, कंचन सिंह चौहान प्रदेश कार्य समिति सदस्य, पद्मश्री उमाशंकर पांडे जल पुरुष बांदा तथा अन्य वक्ता के रूप में एन जी इबोइमा सिंह अधिष्ठाता सी ओ एफ टी केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल, ऋषिकेश कुमार वरिष्ठ प्रबंधक राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आनंद गुजरात, डॉ. गौरव कुमार वाणी सहायक प्राध्यापक कृषि अर्थशास्त्र जे एन के वी जबलपुर, श्री धीरज श्रीवास्तव तकनीकी सलाहकार एशियन कंसोर्टियम आफ फार्मास्यूटिकल कंपनी लिमिटेड भोपाल, डॉ. अमित झा जे एन के वी जबलपुर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उक्त संगोष्ठी का उद्देश्य ग्रामों के स्वावलंबन में कृषक उत्पादक संगठन की भूमिका, कृषकों को सहकारिता से आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने में कृषक उत्पादक संगठन की भूमिका, कृषक उत्पादक संगठन के संचालन में महत्वपूर्ण आर्थिक पहलू, कृषक उत्पादक संगठन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, विश्व व्यापार के अवसर और चुनौतियां तथा कृषि एवं बागवानी का निर्यात अभिविन्यास विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि ग्रामों को स्वावलंबी एवं आत्म निर्भर बनाना नानाजी का सपना था, इसलिए उन्होंने ग्रामोदय से राष्ट्रोदय का संकल्प लिया। वे चाहते थे कि ग्राम की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बने। जिसमें एफपीओ बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकता है और महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बी ग्राम का सपना पूर्ण हो सकता है।

औषधीय पौधों एवं सुरक्षित पेयजल की उत्तम स्वास्थ्य में भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

औषधीय पौधों एवं सुरक्षित पेयजल की उत्तम स्वास्थ्य में भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दीनदयाल परिसर के लोहिया भवन में पद्मश्री उमाकांत पाण्डेय जल

मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि ग्रामों को स्वावलंबी एवं आत्म निर्भर बनाना नानाजी का सपना था, इसलिए उन्होंने ग्रामोदय से राष्ट्रोदय का संकल्प लिया।

पुरूष, डॉ. सतीश कुमार सहायक महानिदेशक एन ए एस एफ़ नई दिल्ली, डॉ. शिवेश प्रताप सिंह सचिव राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भोपाल, डॉ. शरद श्रीवास्तव वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख एन बी आर आई लखनऊ, डॉ. नज्म अख्तर शकील सचिव आई सी ए आर, उमाकांत उमराव प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन, सतीश कुमार एस कलेक्टर सतना, सुश्री ऊषा ठाकुर पूर्व मंत्री म.प्र. शासन, सौ. अनुजा ताई परचुरे प्रबन्ध मंडल सदस्य डीआरआई, डॉ. रश्मि सिंह प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय सतना, डॉ. अमित गोस्वामी, प्रो आशीष पाण्डेय आई आई टी रुड़की के आतिथ्य एवं दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन की अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया।

वक्ताओं द्वारा संगोष्ठी के उद्देश्य एवं भूमिका, मानव स्वास्थ्य प्रबंधन में औषधीय पौधों की भूमिका एवं महत्व, आय में वृद्धि हेतु औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, प्राकृतिक खेती में औषधीय पौधों का महत्व एवं भूमिका, औषधीय पौधों का मानकीकरण, जल संरक्षण की परंपरागत एवं आधुनिक विधियां, जल संस्कृति आदि विषयों पर विस्तृत से प्रकाश डाला गया। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए श्री अतुल जैन ने कहा कि सरकार से ज्यादा जल की सुरक्षा, संवर्धन के कार्य समाज ही कर सकता है। अंग्रेजों ने जल से समाज का नाता तोड़ दिया था जबकि हमारे त्यौहारों में जल का महत्व है। आवश्यकता इस बात की है कि यदि हम अब भी नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह कितना विषम परिस्थितियों का निर्माण करेगी हम इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। अतः सुरक्षित पेयजल स्वास्थ हेतु औषधीय पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी पहली आवश्यकता बने।

समाजोपयोगी नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए जनजातीय क्षेत्र के 27 महिला-पुरुष कृषकों को किया गया सम्मानित

चित्रकूट/ भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी की 15वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह में बिरसामुण्डा सार्धशती जयंती, वीरांगना दुर्गावती पंचशती जयंती एवं पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती वर्ष अवसर पर अनुसूचित जनजाति वर्ग सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाजोपयोगी नवाचर एवं उत्कृष्ट कार्य के क्षेत्र में जनजातीय क्षेत्र के 27 महिला पुरुष कृषकों को सैनाचार्य स्वामी श्री अचलानंदाचार्य जी महाराज जोधपुर, श्री निखिल प्रभाकर मुण्डले कार्यकारी अध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान एवं केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा, आईसीएआर अटारी जबलपुर के निदेशक डॉ. एसआरके सिंह आदि अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इसके अलावा मझगवां एवं चित्रकूट जनपद के प्रगतिशील महिला-पुरुष कृषकों को कृषि विज्ञान केंद्र मझगवां एवं चित्रकूट के माध्यम से 'भारत रत्न' राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख उत्कृष्ट कृषक सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसमें क्षेत्र के ऐसे उन्नतशील कृषक जिन्होंने खेती को लाभ का धंधा बनाने, परंपरागत पोषकीय अनाज उत्पादन, पशु पालन, परंपरागत किस्मों का संरक्षण, जलवायु अनुकूल कृषि आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है, उन कृषकों को यह सम्मान दिया गया।

राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख उत्कृष्ट कृषक सम्मान 2025

श्री उमेश सिंह ग्राम भरगवां को गोवंश आधारित प्राकृतिक खेती के लिए, राम सजीवन मवासी ग्राम बांका को योजनाबद्ध तरीके से सीमित संसाधनों में फल एवं फूलों की उन्नत खेती के लिए, शिव पूजन सिंह ग्राम पटनाकला को कृषि की नवीनतम तकनीकियों के साथ फसल विविधीकरण एवं सपनीकरण समेकित खेती पद्धति अपनाकर छोटी अलाभकारी जोत को लाभकरी खेती में बदलना इस सराहनीय एवं अनुकरणीय प्रयास के लिए, राजेश कुमार कोल ग्राम गाडी कोलान को पशुपालन के क्षेत्र में, बुल्लार कोल ग्राम करौंहा को समेकित खेती, राजू कोल ग्राम डाडीकोलान को सब्जी एवं फल उत्पादन, बब्बू कोल ग्राम करौंहा को जल संरक्षण, शंकरलाल ग्राम गोपीपुर को सामाजिक सहयोग, रामनरेश कोल ग्राम करौंहा को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन, गजराज कोल ग्राम उमरी को बकरी पालन, विश्वनाथ प्रसाद ग्राम जारो माफी को परम्परागत बीज संरक्षण के लिए सम्मानित किया गया।

वीरांगना दुर्गावती महिला सशक्तिकरण सम्मान 2025

श्रीमती लीलाबाई सिंह ग्राम दिरौंदी को कृषि के साथ बकरी पालन कर अपने परिवार की आजीविका के रूप में स्थापित करने के लिए, श्रीमती दुर्गा कोल ग्राम विजठरी मझगवां को समाज में स्वाभिमान के साथ स्वावलंबी जीवनयापन कर आदर्श, प्रेरक, स्वावलंबी महिला के रूप में अपने आपको स्थापित करने के क्षेत्र में सराहनीय एवं अनुकरणीय प्रयास हेतु, श्रीमती देवकी सिंह ग्राम पछीत को सीमित संसाधनों में सब्जी एवं मसाला फसलों की उन्नत खेती कर अपने आपको एक आदर्श महिला कृषक के रूप में स्थापित किया है, श्रीमती विमला देवी ग्राम उमरी को बालिका शिक्षा, श्रीमती राजेश्वरी देवी ग्राम करौंहा को स्वरोजगार समूह के लिए समान दिया गया।

विरसागुण्डा जनजातीय गौरव सम्मान 2025

चंटू सिंह ग्राम बांका, पृथ्वी पाल सिंह ग्राम हिरौंदी को मझगवां विकासखंड के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों में असिंचित एवं कम उपजाऊ भूमि पर श्रीअन्न या सुपर फूड्स (ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी एवं सांवा) फसलों का उत्पादन लेने के लिए ग्रामवासियों को प्रोत्साहित करने के अनुकरणीय प्रयास हेतु सम्मानित किया गया। ओमकार सिंह ग्राम बरहा को सीमित संसाधनों में बागवानी के क्षेत्र में, राज ललन सिंह ग्राम मुड़झोहा ने दीनदयाल शोध संस्थान की युगानुकूल सामाजिक नवरचना की अभिनव संकल्पना को समाज जीवन में अपनाकर मझगवां विकासखण्ड क्षेत्र के जनजातीय बाहुल्य ग्रामों के विकास एवं मानवीय कल्याण कार्य में स्वयं को समर्पित किया है। सुन्दर कोल ग्राम डाडीकोलान को सामाजिक समरसता के क्षेत्र में, शिवपूजन कोल ग्राम उमरी को श्री अन्न उत्पादन, सुखलाल कोल ग्राम बधवा को रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में सम्मानित किया गया।

पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर सम्मान 2025

श्रीमती रेखा सिंह ग्राम चितहरा को सामाजिक कार्यों में सहभागिता हेतु ग्रामीण महिलाओं को प्रेरित करने के क्षेत्र में सराहनीय एवं अनुकरणीय प्रयास हेतु, श्रीमती रामवती सिंह ग्राम भरगवां को विषम परिस्थितियों में परती भूमि को खेती योग्य अपनाकर अपने परिवार को जीविका के रूप में स्थापित किया है, श्रीमती बूटी बाई कोल ग्राम झरी को तकनीकी प्रसार के क्षेत्र में, श्रीमती मुन्नी देवी ग्राम झरी को कृषि विविधीकरण हेतु सम्मानित किया गया।

नानाजी की 15वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के साथ हजारों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

कई मंत्री, सांसद एवं विधायकों ने चित्रकूट पहुंचकर नानाजी को दी श्रद्धांजलि

चित्रकूट 27 फरवरी 2025/ नानाजी के स्मृति चिन्ह के रूप में दीनदयाल परिसर चित्रकूट में श्रद्धा स्थल पर उनकी 15वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को कई मंत्री गणों, सांसद एवं विधायकों द्वारा चित्रकूट पहुंच कर नानाजी के श्रद्धा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इनके अलावा संस्थान के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं और चित्रकूट क्षेत्र के लोगों द्वारा विधि-विधान पूर्वक श्रद्धा सुमन अर्पित किया। एक दिन पूर्व ही नानाजी को श्रद्धांजलि देने वाले लोग दीनदयाल परिसर में आने लगे थे। प्रातः से ही चित्रकूट क्षेत्र के ग्रामीण लोग आना शुरू हो गए और पंडित दीनदयाल पार्क में बने नानाजी के श्रद्धा स्थल पर पुष्पांजलि का दौर चलता रहा, वहीं दूसरी ओर श्रीरामचरितमानस पाठ का हवन पूजन कार्यक्रम में भी लोग अपनी आहुति पूर्ण कर रहे थे। दीनदयाल परिसर के ग्राउंड में भंडारा प्रसाद का कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से साधु-संतों के प्रसाद से प्रारंभ होकर अनवरत देर शाम तक चलता रहा। जिसमें लगभग 20-22 हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

29 हजार 93 परिवारों से संकलित एक मुट्ठी अनाज एवं एक रूपये के अंशदान से हुआ विशाल भंडारा

व्यक्ति पुरुषार्थी, स्वावलम्बी तब बनता है जब उसका आत्मबल मजबूत होता है। आत्मविश्वास को मजबूती देने में आस्था का होना जरूरी है। ऐसी ही कुछ आस्था चित्रकूट क्षेत्र के ग्राम वासियों में भारत रत्न नानाजी देशमुख के लिए दिखी। नानाजी ने जिस तरह आम जनता की पहल और पुरुषार्थ से चित्रकूट में जो सामाजिक पुनर्रचना का काम खड़ा किया है उसमें प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी उन्होंने सुनिश्चित करने का प्रयास किया था, उसी भागीदारी को बरकरार रखने के लिए नानाजी की 15वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को होने वाला विशाल भंडारा प्रसाद आम जनमानस के एक मुट्ठी अनाज एवं एक रूपये अंशदान सहयोग से संपन्न हुआ। जिसमें दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यकर्ताओं की टोली चित्रकूट के 150 किलोमीटर क्षेत्र में अधिकांश गांव एवं घरों तक पहुंची, पुण्यतिथि कार्यक्रम का आमंत्रण दिया और सहयोग की अपेक्षा की। इसमें संत समाज ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। हरेक गांव में आस्था के प्रति सहभागिता का नजारा देखने लायक था। जिसमें 29 हजार 93 परिवारों से 27 लाख के लगभग सहयोग राशि तथा 178 क्विंटल अनाज का संकलन हुआ।

सियाराम कुटीर में भी हुआ पुष्पार्चन

देशभर के कई स्थानों से नानाजी से जुड़े हुए तथा उनके कार्य के प्रति आस्था रखने वाले लोगों ने चित्रकूट आकर नानाजी के आवास सियाराम कुटीर में भी जाकर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। संत महंतों ने भी अपनी पूरी टोली के साथ सियाराम कुटीर आकर नानाजी के कक्ष में पहुंचकर उनको याद किया।

अनामिका सिंह की भजन गायिकी से माहौल हुआ भक्तिमय

नानाजी पुण्यतिथि पर भंडारा प्रसाद के साथ भजन गायिका सुश्री अनामिका सिंह आकार संस्था का भजन कार्यक्रम रहा, जिसमें गायिका के भक्ति संगीत का आनंद भी श्रद्धांजलि में उपस्थित लोगों को सुनने को मिला। गायिका द्वारा बजाओ रे बाजा, राम जी का मंदिर बनाओ, जब तक सूरज चंदा चमके तब तक ये हिंदुस्तान रहे आदि भजनों के माध्यम से माहौल को भक्तिमय बनाया।

कलाकारों की प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिमय बनाते हुए दीनदयाल परिसर में मौजूद दर्शकों एवं अतिथियों को खूब आनंदित किया।

नानाजी की पुण्यतिथि पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

❖ संत मोरारी बापू व अमित शाह ने नवीनीकृत रामदर्शन का लोकार्पण एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा का किया अनावरण

❖ नानाजी के विचारों और जीवन का प्रभाव युगों तक रहेगा – गृहमंत्री श्री शाह

❖ नानाजी के विचार और जीवन प्रेरणा पुंज है – मुख्यमंत्री डॉ. यादव

चित्रकूट/ भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा दीनदयाल परिसर चित्रकूट में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित भाई शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूज्य संत मोरारी बापू, सैनाचार्य स्वामी श्री अचलानंदाचार्य जी महाराज जोधपुर, श्री राजेंद्र शुक्ल उप मुख्य मंत्री मध्य प्रदेश, सांसद एवं भाजपा मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा, श्रीमती प्रतिमा बागरी नगरीय विकास राज्य मंत्री मध्य प्रदेश, श्री गणेश सिंह सासंद सतना, श्री निखिल प्रभाकर मुण्डले कार्यकारी अध्यक्ष दीनदयाल शोध संस्थान, श्री अतुल जैन प्रधान सचिव दीनदयाल शोध संस्थान प्रमुख रूप से मंचासीन रहे।

इस दौरान प्रख्यात मानस मर्मज्ञ पूज्य संत मोरारी बापू एवं अमित शाह जी द्वारा रिमोट दबाकर नवीनीकृत रामदर्शन का लोकार्पण एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर राम दर्शन के आर्किटेक्ट पुनीत सोहेल और मूर्तिकार पिलानी के नरेश कुमावत

और अशोक सोनकुसरे को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह ने नानाजी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि नानाजी देशमुख ने अपने शतायु जीवन में अपने जीवन का हर क्षण और शरीर का हर कण देश की सेवा को समर्पित किया। उनके जीवन दर्शन और कार्यों का प्रभाव युगों-युगों तक रहेगा। नानाजी देशमुख राजनीति के क्षेत्र में रहकर अजातशत्रु थे। उन्होंने राजनीति में रहकर भी कला, साहित्य और समाजसेवा से लगातार सरोकार बनाये रखा। नानाजी ने अपने जीवन में जो उपलब्धियां हासिल की, उसे एक जीवन में प्राप्त करना बहुत ही कठिन है। कुछ लोगों के जीवन ऐसे होते हैं जो युग को परिवर्तनकारी बनाने का काम करते हैं उनमें से नानाजी एक है। नानाजी देशमुख जैसे महान व्यक्तित्व का जीवन युगों तक असर छोड़ता है, नाना जी ने जब राजनीति छोड़ी तो ग्रामोत्थान के लिए अंत्योदय के मार्ग को चुनकर एकात्म दर्शन के व्यावहारिक रूप में धरातल पर उतारने का काम किया। भारत के हर एक गरीब को मूलभूत सुविधाओं के साथ गांव को गोकुल गांव बनाने की दिशा में काम हो रहा है, इसका सबसे पहला चिंतन, मनन, क्रियान्वयन अगर किसी ने किया था वह नानाजी ने किया था। मैं भी दीनदयाल शोध संस्थान से मासिक पत्रिका मंथन के माध्यम से जुड़ा रहा हूं। भारतीयता को बरकरार रखते हुए बसुधैव कुटुंबकम के विचार को संपूर्ण विश्व में कैसे प्रसारित किया जाए कई सारी बातों को मंथन के माध्यम से रखने का काम किया।

श्री शाह ने कहा कि नाना जी के जीवन एवं शरीर का एक-एक कण राष्ट्र को समर्पित रहा है। नाना जी के कार्यों का असर राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। राजनीति में रहने के बाद भी नाना जी का व्यक्तित्व सर्व स्वीकृति वाला रहा है, जबकि सामान्य रूप से ऐसा कम ही देखने को मिलता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नाना जी का विरोध करने ना तो किसी ने हिम्मत की और ना ही विरोध किया यह उनके कार्य की विशेषता भी थी।

श्री शाह ने कहा कि मुझे आज चित्रकूट में तीन विशेष कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिल रहा है, पहला नाना जी की 15वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पण, दूसरा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण और तीसरा प्रभु श्री राम के जीवन को प्रदर्शित करता नवीनीकृत राम दर्शन का लोकार्पण इन तीनों आयोजनों के माध्यम से समाज के

सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्तियों को ऊपर उठाने का प्रयास किया जा रहा है। श्री शाह ने वर्ष 1916 के कालखंड में जन्मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं नाना जी देशमुख के आदर्श सिद्धांतों को विस्तार से बताते हुए कहा कि देश की अर्थनीति, विदेश नीति, शिक्षा नीति, वसुधैव कुटुंबकम आदि मामले को देखने का नजरिया एक जैसा था। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने पश्चिम सिद्धांतों पर आधारित विकास की बात की थी। भारत के विकास के मॉडल को पंडित दीनदयाल ने अंत्योदय के नाम से रखा और अंत्योदय को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए नानाजी ने चित्रकूट को चुना। नानाजी देशमुख ने अपने जीवन के संस्कारों में तिलक जी के राष्ट्रवाद और गांधीजी के ग्राम स्वराज को समाहित किया है। इसीलिए पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने नानाजी को राष्ट्र ऋषि की उपाधि से विभूषित किया था। ग्रामीण भारत को सशक्त कर देश निर्माण का मजबूत माध्यम बनाना नानाजी देशमुख जी का सपना था, जिसके लिए वे आजीवन प्रतिबद्ध रहे। नानाजी का सम्पूर्ण जीवन संघ के संस्कार से संस्कारित रहा। ऐसे महामानव को उनकी पुण्यतिथि पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नाना जी का जीवन दर्शन प्रेरणा पुंज है, वह नवाचारों के हिमायती और समाज के आदर्श थे। डॉ. यादव ने चित्रकूट क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मेरी ससुराल चित्रकूट के निकट रीवा में है, मुझे पता है कि नाना जी के आने से पूर्व चित्रकूट क्षेत्र में आने से लोग डरते थे, नाना जी के प्रयासों से अब चित्रकूट क्षेत्र में ऐसी बात नहीं है यहां के गांव में नानाजी ने स्वावलंबन, समाज शिल्पी जैसे कार्यक्रमों को संचालित कर लोगों को स्वाभिमान पूर्ण जीवन जीने की सीख दी है। नानाजी महामानव थे उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर समाज मजबूती से खड़ा हुआ है।

दीनदयाल शोध संस्थान के प्रधान सचिव श्री अतुल जैन ने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि नानाजी ने समग्र विकास के लिए अनेक सफल प्रयोग किये हैं ग्राम वासियों की पहल, पुरुषार्थ और सहभागिता से संचालित कार्यक्रमों का लाभ चित्रकूट के साथ देश के अन्य हिस्सों को भी मिल रहा है। नानाजी परंपरागत ज्ञान एवं आधुनिक ज्ञान को समावेश कर युगानुकूल सामाजिक पुनर्रचना के पक्षधर थे।

पूज्य संत मोरारी बापू ने अपने आशीर्वचन में कहा कि नानाजी ने जब रामदर्शन की नींव रखी थी तब रामकिंकर जी महाराज के साथ मेरा आना हुआ था। आज पुनः नवीनीकृत राम दर्शन के लोकार्पण का सौभाग्य मिला। आज नानाजी की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धा पुष्प के साथ अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। नानाजी ने राम दर्शन के माध्यम से ग्राम दर्शन और समाज के अंतिम व्यक्ति का दर्शन कराया है, उनका जीवन चरित्र प्रेरक है। उन्होंने कहा कि मेरे और नाना जी के संबंधों के आधार पर मैं कह सकता हूं कि वह साधुमत, लोकमत, वेदमत को मानने वाले थे। नाना जी पञ्च भौतिक चेतना के प्रतीक थे।

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव श्री अभय महाजन धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की प्रसन्नता का विषय है कि नाना जी द्वारा जनता की पहल और पुरुषार्थ से प्रारंभ किए गए कार्यों को अब जन मानस संचालित कर रहा है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हजारों लोगों की सामूहिक सहभागिता इसे सामाजिक चेतना के महाकुंभ के रूप में प्रदर्शित कर रही है। श्रद्धांजलि समारोह का संचालन दीनदयाल शोध संस्थान के महाप्रबंधक श्री अमिताभ वशिष्ठ द्वारा किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में रामायणी कुटी के महंत राम हृदय दास जी महाराज, जानकी महल के सीता शरण दास जी महाराज, संतोष दास जी महाराज सतुआ बाबा, सती अनसूइया आश्रम के पवन बाबा एवं मध्य प्रदेश भाजपा के प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, भाजपा उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, मध्य प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री लखन पटेल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल, सागर विधायक एवं पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, सांसद नर्मदा पुरम दर्शन सिंह, नागेंद्र सिंह जूदेव, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, विक्रम सिंह विक्की, महापौर योगेश ताम्रकार, रामखेलावन कोल, सुश्री साधना पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता चूड़ामणि सिंह, राम बेटा कुशवाहा, राजेश त्रिपाठी, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. भरत मिश्रा, राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा के कुलगुरु प्रो आईपी त्रिपाठी, जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शिशिर पांडे, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरु प्रो राजेंद्र कुरारिया, सद्गुरु सेवा संघ के ट्रस्टी पदमश्री डॉ. बी के जैन, श्रीमती उषा जैन पद्मश्री उमाशंकर पांडे, आईसीएआर अटारी जबलपुर के निदेशक डॉ. एसआरके सिंह, आईसीएआर एनएएएफ के सहायक महानिदेशक जितेंद्र कुमार, बागवानी आयुक्त नई दिल्ली से प्रभात कुमार, दीनदयाल शोध संस्थान के कोषाध्यक्ष वसंत पंडित एवं प्रबंध समिति के सदस्य वीरेंद्र चतुर्वेदी, राम अवतार बिंजराजका, डॉ. विक्रमा प्रसाद पांडे, अनुज ताई परचुरे, अनुराधा काले, पुनीत सोहेल, जयदेव ताम्रकार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख
जन्म : 11 अक्टूबर 1916
निर्वाण : 27 फरवरी 2010

आरएनआई नं. दिल्ली-एन/2002/7201

गुरुकुल संकुल

दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट सतना (मध्य प्रदेश)

(ISO 9001:2008)

बालकों के लिए शैक्षणिक व्यवस्था युक्त आवासीय परिसर
शिक्षित वानप्रस्थी दंपतियों की आवश्यकता है।

जिनकी अहर्ताएं निम्नलिखित हैं :-

- ❖ दंपति को शिक्षित, ऊर्जावान, संवेदनशील एवं सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित होना चाहिए।
- ❖ दंपति की आयु लगभग 60 वर्ष की होनी चाहिए और शारीरिक, मानसिक रूप से स्वस्थ एवं पारिवारिक दायित्व से मुक्त हो।
- ❖ कक्षा 6 से 12 तक को कम-से-कम एक विषय में शिक्षण की योग्यता रखते हों। शिक्षकों को इस हेतु वरीयता दी जाएगी।
- ❖ प्रत्येक दंपति की भोजन एवं आवासीय व्यवस्था संस्थान निःशुल्क करेगा, इसके अतिरिक्त संस्थान के नियमों के अंतर्गत मानदेय भी दिया जाएगा।
- ❖ शैक्षणिक योग्यता की छाया प्रतियों के साथ आवेदन पत्र सादे पृष्ठ पर निम्नलिखित पते पर भेजें।

—ः प्रभारी ः —

गुरुकुल संकुल, दीनदयाल शोध संस्थान

चित्रकूट, जिला सतना (म.प्र.) दूरभाष ः 07670-265353, 265528

ईमेल ः drichitrakoot@chitrakoot.org